वर्ष-10 अंक-226 पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये
प्रयागराज, मंगलवार 19 नवम्बर 2024
TM
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित
आधुनिक समाचार नेटवर्क
Download From
Adhunik Samachar
नगर संस्करण

संक्षिप्त समाचार

27.2 डिग्री तापमान इस मौसम में सबसे कम; कोहरे-प्रदूषण के कारण दृश्यता घटी, विमान सेवा प्रभावित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। दिल्ली ने कोहरे की चादर ओढ़ ली है, जिसके चलते दृश्यता में कमी आई है। मौसम विभाग के मुताबिक, पारा गिरकर 27.2 डिग्री सेल्सियस हो गया है और घने कोहरे के कारण दिल्ली-एनसीआर में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इस बीच, इंडियो ने भी दृश्यता में कमी के चलते उड़ानों में देरी की संभावना जता दी है। दिल्ली में रविवार को मौसम ने

अचानक करवट बदल ली, जिसके चलते अपेक्षाकृत अधिक ठंड का अहसास हुआ। पारा गिरकर 27.2 डिग्री सेल्सियस पर आ गया, जो इस मौसम का सबसे कम तापमान है। दिल्ली में प्रदूषण का स्तर भी बहुत ज्यादा है, जिससे शहर के कई हिस्सों में दृश्यता और भी कम हो गई है।मौसम विभाग ने बताया कि सुबह साढ़े आठ बजे कोहरे के कारण सफदरजंग में दृश्यता घटकर 300 मीटर रह गई। दिल्ली-एनसीआर में सोमवार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के मुताबिक, अधिकतम और न्यूनतम तापमान 27 और 17 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।इस बीच, निजी विमानन कंपनी इंडिगो ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोहरे के कारण दृश्यता कम हो रही है, जिसके कारण उड़ानों में देरी हो सकती है। वहीं, दिल्ली हवाईअड्डा के ऑपरेटर दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल) की तरफ से जारी बयान में बताया गया कि कम दृश्यता को देखते हुए एहतियात बरती जा रही है और जरूरी प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है।

इसका मतलब है प्रधानमंत्री ने हार मान ली है', महाराष्ट्र में तेलंगाना सीएम ने दी केंद्र को चुनौती

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि उन्होंने अखबारों में भाजपा के विज्ञापन देखे, उन्हें देखकर ऐसा

लगा कि वे चुनाव जीतने के लिए देश को भी तोड़ सकते हैं। तेलंगाना सीएम ने प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा से पूछा कि पिछले 11 सालों में उन्होंने क्या किया है तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र चुनाव में हार मान ली है। रेड्डी ने कहा कि जिस तरह से महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार खत्म होने से पहले ही प्रधानमंत्री मोदी विदेश दौरे पर गए हैं, उससे तो यही पता चलता है कि भाजपा ने हार मान ली है। महाराष्ट्र में सोमवार को चुनाव प्रचार का आखिरी दिन है। ऐसे में सभी राजनीतिक पार्टियों ने प्रचार में पूरी ताकत झोंक दी है। इसी के तहत कांग्रेस के प्रचार के लिए तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी भी महाराष्ट्र पहुंचे।एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान तेलंगाना सीएम ने कहा कि 'आज महाराष्ट्र चुनाव के लिए प्रचार का आखिरी दिन है और आखिरी दिन से ठीक पहले पीएम मोदी देश छोड़कर विदेश चले गए। इससे पता चलता है कि भाजपा और मोदीजी ने हार मान ली है।' कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि उन्होंने अखबारों में भाजपा के विज्ञापन देखे, उन्हें देखकर ऐसा लगा कि वे चुनाव जीतने के लिए देश को भी तोड़ सकते हैं। तेलंगाना सीएम ने प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा से पूछा कि पिछले 11 सालों में उन्होंने क्या किया है?रेवंत रेड्डी ने कहा कि 2014 में भाजपा ने किसानों की आय दोगुनी करने और सालाना दो करोड़ नौकरियां देने का वादा किया था। साथ ही 2020 तक देश के हर गरीब व्यक्ति को घर देने की बात कही थी। उन्होंने कहा, 'किसानों की आय दोगुनी करना भूल जाइए। वे तीन काले कृषि कानून लेकर आए, जिसके चलते किसानों को दिल्ली के आसपास आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ा और 700 से अधिक किसान बलिदान हो गए। प्रधानमंत्री मोदी को बिल वापस लेने पड़े और किसानों से माफी मांगनी पड़ी।रेड्डी ने कहा कि पीएम मोदी ने तेलंगाना, कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस द्वारा किए गए वादों को पूरा नहीं करने का आरोप। रेड्डी ने कहा, 'तेलंगाना के मुख्यमंत्री के तौर पर मैं प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा नेताओं को चुनौती देना चाहता हूं कि अगर आपमें हिम्मत है तो एक केंद्रीय मंत्री के साथ एक केंद्रीय समिति बनाएं और उसे तेलंगाना भेजें। अगर आपके पास पैसे नहीं हैं तो मैं दिल्ली या मुंबई के लिए विमान भेज दूंगा, लेकिन आप आएं और जांच लें कि गारंटी पूरी हुई है या नहीं।' मुख्यमंत्री ने दावा किया कि उन्होंने सरकार बनने के 25 दिनों में 23 लाख किसानों के 2 लाख रुपये तक के कृषि ऋण माफ किए, जिसकी कुल कीमत 18,000 करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा 'पिछले 10 महीनों में हमने तेलंगाना में 50,000 सरकारी नौकरियां दी हैं। आप एक समिति भेजिए। मैं उन लोगों को इकट्ठा करूंगा जिन्हें नियुक्ति पत्र मिले हैं, और आप गिन सकते हैं।

फसलें सोख रहीं जरूरत से ज्यादा पानी, भविष्य के लिए बड़ा खतरा; भारत में भूगर्भ जल का सर्वाधिक इस्तेमाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारत, चीन और अमेरिका पानी के सबसे बड़े उपभोक्ता हैं। भारत में भूगर्भ जल

का इस्तेमाल सबसे ज्यादा होता है। निकाले जाने वाले कुल भूगर्भ जल में से 89 फीसदी का इस्तेमाल सिंचाई के लिए होता है। चीन दूसरा सबसे अधिक पानी का उपयोग करने वाला देश है। दुनिया भर में फसल उगाने के लिए 72 फीसदी मीठा पानी इस्तेमाल किया जाता है। 1990 के बाद मुख्य फसलों को उगाने के लिए पानी की खपत में करीब 30 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है और इसमें लगातार वृद्धि जारी है। इस वजह से दुनिया भर में पहले से मौजूद पर्यावरणीय और सामाजिक-आर्थिक समस्याओं में बढ़ोतरी और गंभीर रूप ले रही है। यह जानकारी ट्वेन्टे विश्वविद्यालय (यूटी) नीदरलैंड के शोधकर्ताओं की ओर से किए गए एक नए अध्ययन में सामने आई है। एनवायरनमेंटल रिसर्च लेटर्स नामक पत्रिका में इसका प्रकाशन हुआ है। अध्ययन में 1990 से 2019 के दौरान 175 फसलों को उनके हरे और नीले जल पदचिह्नों के आधार पर इसकी पड़ताल की गई है। हरा पानी यानी बारिश से आने वाला पानी और नीला पानी सिंचाई और उथले भूजल से आता है। इन दो तरह के पानी के प्रकारों के बीच अंतर इसलिए जरूरी समझा गया, क्योंकि वे पारिस्थितिकी तंत्र और समाज में अलग-अलग भूमिका निभाते हैं।भारत, चीन और अमेरिका पानी के सबसे बड़े उपभोक्ता हैं। भारत में भूगर्भ जल का इस्तेमाल सबसे ज्यादा होता है। निकाले जाने वाले कुल भूगर्भ जल में से 89 फीसदी का इस्तेमाल सिंचाई के लिए होता है। चीन दूसरा सबसे अधिक पानी का उपयोग करने वाला देश है। चीन में नदियाँ, झीलें और समुद्री जल का व्यापक उपयोग होता है। चीन में हाइड्रोपावर ऊर्जा उत्पादन, कृषि, औद्योगिक उपयोग और जलयानों के लिए भी भूगर्भीय जल का उपयोग होता है।

जिरीबाम से लापता पांच लोगों के शवों का पोस्टमार्टम पूरा हुआ, इन्हीं की वजह से राज्य में जारी है बवाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। लापता लोगों में मैतई समुदाय की तीन महिलाएं और उनके तीन बच्चे शामिल थे। अभी लापता लोगों में से एक का शव बरामद नहीं हुआ है। आरोप है कि इन लोगों की हत्या कुकी-जो उग्रवादियों द्वारा की गई। मणिपुर के जिरीबाम जिले से लापता हुए

पांच लोगों के शवों जो असम में नदी से बरामद किए गए थे, उनका पोस्टमार्टम सिलचर शहर के एक सरकारी अस्पताल में पूरा हो गया है। बीती 11 नवंबर को सुरक्षा बलों और कुकी-जो उग्रवादियों के बीच हुई गोलीबारी और उसमें 10 लोगों की मौत के बाद मणिपुर के जिरीबाम से छह लोग लापता हुए थे। ये लोग जिरीबाम के एक शरणार्थी शिविर से गायब हुए थे और हाल ही में इनमें से पांच के शव जिरीबाम में जिरी और असम के कछार में बराक नदी से बरामद हुए थे। शव बेहद खराब हालत में थे, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि उनकी हत्या कई दिन पहले की गई थी। लापता लोगों में मैतई समुदाय की तीन महिलाएं और उनके तीन बच्चे शामिल थे। अभी लापता लोगों में से एक का शव बरामद नहीं हुआ है। असम पुलिस मुख्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कछार जिले की स्थानीय इकाई छठे व्यक्ति का पता लगाने के लिए बराक नदी में तलाशी अभियान चला रही है। आरोप है कि इन लोगों की हत्या कुकी-जो उग्रवादियों द्वारा की गई। पोस्टमार्टम के बाद मणिपुर पुलिस शवों को उनके राज्य में वापस ले जाने और शोक संतप्त परिवार के सदस्यों को शव सौंपने के लिए आवश्यक व्यवस्था करेगी, लेकिन यह कब किया जाएगा, यह अभी पता नहीं है। असम पुलिस ने बताया कि 'हमें मणिपुर पुलिस ने बताया है कि उन छह लोगों की हत्या करके उन्हें नदी में फेंक दिया गया है। कल ही जिरीबाम से बहकर आए दो शवों को बाहर निकाला गया था।' अधिकारी ने कहा कि सभी शव 'अत्यधिक सड़ी-गली' अवस्था में एसएमसीएच मुर्दाघर पहुंचे। लापता लोगों की पहचान युमरेम्बम रानी देवी (60), तेलेम थोइबी देवी (31) और उनकी बेटी तेलेम थजमनबी देवी (8), लैशराम हेथोइबी देवी (25) और उनके दो बच्चों लैशराम चिंगखेंगनबा सिंह (ढाई साल) और लैशराम लमंगनबा सिंह (10 महीने) के रूप में हुई है। वहीं लापता लोगों के शव मिलने के बाद से जिरीबाम में हिंसा का दौर जारी है। इंफाल में भी गुस्साए लोगों ने कई विधायकों के घरों में आगजनी और तोड़फोड़ की है। रविवार रात में भी जिरीबाम में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों की भिड़ंत में एक युवक की मौत हो गई है।

पहले एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव आयोग से की शिकायत, अब कांग्रेस-भाजपा ने जवाब देने के लिए मांगा 7 दिन का समय

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने शनिवार को दोनों पार्टियों के अध्यक्षों से उनके नेताओं के खिलाफ लगाए गए आरोपों पर जवाब दर्ज कराने को कहा था।

आयोग ने इसके लिए दोनों राजनीतिक दलों के प्रमुखों से 1 बजे तक औपचारिक जवाब मांगा था। भाजपा और कांग्रेस ने हाल ही में झारखंड और महाराष्ट्र में एक-दूसरे के खिलाफ आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर चुनाव आयोग के सामने शिकायतें दर्ज कराई थीं। अब दोनों ही पार्टियों ने इन शिकायतों पर जवाब देने के लिए आयोग से 7 दिन का समय और मांगा है। बताया गया है कि चुनाव आयोग ने शनिवार को दोनों पार्टियों के अध्यक्षों से उनके नेताओं के खिलाफ लगाए गए आरोपों पर जवाब दर्ज कराने को कहा था। ईसी ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और कांग्रेस के प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे को अलग-अलग चिट्ठियां भेजकर उनसे एक-दूसरे की शिकायत पर जवाब देने को कहा था। चुनाव आयोग ने इसके लिए दोनों राजनीतिक दलों के प्रमुखों से 1 बजे तक औपचारिक जवाब मांगा था। अब दोनों पार्टियों ने शिकायतों पर जवाब भेजने के लिए आयोग से 7 दिन का समय और मांगा है। जहां कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाया है, वहीं भाजपा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई थी। दोनों ही पार्टियों के शीर्ष नेताओं पर झारखंड और महाराष्ट्र में विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार के दौरान शिकायतें की गईं। इस पर चुनाव आयोग ने दोनों दलों को लोकसभा चुनाव के दौरान जारी किए गए अपने परामर्श को याद दिलाया था और कहा था कि स्टार प्रचारकों और नेताओं पर नजर रखी जाए, ताकि सार्वजनिक व्यवस्था का उल्लंघन न हो और चुनाव प्रचार के दौरान आदर्श आचार संहिता का सख्ती से पालन किया जा सके।

भगवान जगन्नाथ की जमीन बेचने की कोशिश पर सख्त ओडिशा सरकार, कानून मंत्री ने कार्रवाई करने का दिया आदेश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
ओडिशा । ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की जमीन पर अतिक्रमण का मामले में ओडिशा सरकार ने सख्त रवैया अपनाने का निर्णय लिया है। इस मामले में

कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने चेतावनी देते हुए कहा कि हम इस कृत्य में शामिल सभी लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे। ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की जमीन पर अतिक्रमण और उसे बेचने की कोशिश का मामला सामने आया है। इसका पता चलने पर सरकार ने कहा कि जांच कर ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। दरअसल, श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) ने शनिवार को बसेली साही पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई कि पुरी में मतिटोटा मौजा के तहत भगवान जगन्नाथ की जमीन को बेचने का प्रयास किया जा रहा है।ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की जमीन पर अतिक्रमण और उसे बेचने की कोशिश का मामला सामने आया है। इसका पता चलने पर सरकार ने कहा कि जांच कर ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। दरअसल, श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) ने शनिवार को बसेली साही पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई कि पुरी में मतिटोटा मौजा के तहत भगवान जगन्नाथ की जमीन को बेचने का प्रयास किया जा रहा है। कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने रविवार को यहां मीडियाकर्मियों से बातचीत में कहा, हम इस कृत्य में शामिल सभी लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे। अगर कोई प्लॉट किसी व्यक्ति को बेचा गया है, तो हम विक्रेता, खरीदार, सब-रजिस्ट्रार सहित उन सभी लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे, जिन्होंने जमीन हस्तांतरित की। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार किसी भी परिस्थिति में भगवान जगन्नाथ की एक इंच जमीन की अनधिकृत बिक्री बर्दाश्त नहीं करेगी। एजेंसीबता दें कि पुरी में जगन्नाथ मंदिर के पास ओडिशा के 24 जिलों में फैली लगभग 60,426 एकड़ भूमि है, इसके अलावा ओडिशा के बाहर 395 एकड़ भूमि भी है। मंदिर प्रशासन के मुताबिक, विवादित संपत्ति, खाता संख्या 38 के तहत पंजीकृत है, जिसमें 109 भूखंड शामिल हैं। इन पर मंदिर का मालिकाना हक है।

मणिपुर में नहीं थम रहा बवाल, सुरक्षा बलों के साथ संघर्ष में एक प्रदर्शनकारी की मौत से बढ़ा तनाव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। घटना रविवार रात की है, जब प्रदर्शनकारियों की एक भीड़ ने जिरीबाम पुलिस थाना इलाके में बाबूपारा इलाके में एक संपत्ति में तोड़फोड़ की। उसी दौरान गोली लगने से एक प्रदर्शनकारी की मौत तोड़फोड़ की। उसी दौरान गोली लगने से एक प्रदर्शनकारी की मौत हो गई। मृतक की पहचान के अथौबा के रूप में हुई है, जिसकी उम्र करीब 20 साल थी। जिरीबाम में महिलाओं और बच्चों को अगवा कर उनकी हत्या करने के बाद से बवाल जारी निलंबित हैं। रविवार को दवा की दुकानों को छोड़कर अन्य व्यवसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे और सार्वजनिक परिवहन भी बंद रहा। सुरक्षा बलों ने इंफाल के कई हिस्सों में गश्त तेज कर दी है और खासकर विधायकों के कई आवासों के साथ-

हो गई। मणिपुर के जिरीबाम जिले में जारी हिंसा और बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब ताजा मामले में सुरक्षाबलों के साथ संघर्ष में एक प्रदर्शनकारी की मौत हो गई है, जिससे तनाव के हालात पैदा हो गए हैं। दरअसल प्रदर्शनकारी एक संपत्ति में तोड़फोड़ कर रहे थे, उसी दौरान सुरक्षाबलों की गोली से एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने भी एक मौत की पुष्टि की है, लेकिन ये पता नहीं चला कि गोली किसने चलाई। वहीं चश्मदीदों का कहना है कि गोली सुरक्षाकर्मियों की तरफ से चली थी। घटना रविवार रात की है, जब प्रदर्शनकारियों की एक भीड़ ने जिरीबाम पुलिस थाना इलाके में बाबूपारा इलाके में एक संपत्ति में है। लोगों की भीड़ द्वारा जनप्रतिनिधियों के आवासों और कार्यालयों पर हमले रविवार को भी जारी रहे। रविवार को प्रदर्शनकारियों ने कांग्रेस और भाजपा के कार्यालयों के साथ ही जिरीबाम के निर्दलीय विधायक के घर में भी तोड़फोड़ और आगजनी की। इससे पहले रविवार को जिरीबाम में एक और व्यक्ति का शव मिला था, जिसकी पहचान अभी नहीं हो पाई है और शव को जिला अस्पताल में रखा गया है। इंफाल घाटी में असहज शांति बनी हुई है, जहां प्रदर्शनकारियों द्वारा कई मंत्रियों और विधायकों की संपत्ति में तोड़फोड़ और आगजनी के बाद कर्फ्यू लागू है और इंटरनेट सेवाएं साथ सचिवालय, राज्य भाजपा मुख्यालय और राजभवन की ओर जाने वाली सभी प्रमुख सड़कों पर तैनाती बढ़ा दी है। वहीं 60 सदस्यीय मणिपुर विधानसभा में सात विधायकों वाली नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) ने रविवार को भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार से समर्थन वापस ले लिया। पार्टी ने दावा किया कि एन बीरेन सिंह सरकार पूर्वोत्तर राज्य में 'संकट को हल करने और सामान्य स्थिति बहाल करने में पूरी तरह विफल रही है।' हालांकि, समर्थन वापस लेने से भाजपा सरकार पर कोई असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि भगवा पार्टी के पास अपने 32 विधायकों के साथ बहुमत है।

कर्नाटक के मंत्री ने भाजपा पर फिर लगाया विधायकों की खरीद-फरोख्त का आरोप, बोले- वे इसमें एक्सपर्ट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। गृह मंत्री की तरफ से यह आरोप ऐसे समय में आए हैं, जब कुछ दिन पहले ही राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भी

विधायकों की खरीद फरोख्त को लेकर बयान दिया था। सिद्धारमैया का दावा था कि भाजपा ने उनकी सरकार को गिराने के लिए 50 विधायकों को खरीदने की साजिश रची थी। कर्नाटक में एक बार फिर विधायकों की खरीद-फरोख्त का मामला उठा है। इस बार यह आरोप कर्नाटक सरकार में गृह मंत्री और कांग्रेस नेता जी. परमेश्वर की तरफ से लगाया गया है। उन्होंने कहा, ठभाजपा अभी भी विधायकों को खरीदने की कोशिश कर रही है। वह ऐसा करती रहती है। यह सच भी हो सकता है, क्योंकि मुख्यमंत्री ने कहा है कि यह करोड़ों में हो रहा है। अगर हमें सही दस्तावेज मिलते हैं तो हम इस मामले की जांच करेंगे। अगर रिकॉर्ड्स मिलें तो क्यों न जांच की जाए? भाजपा को ऑपरेशन लोटस के लिए जाना जाता है। वे इसमें एक्सपर्ट हैं।गृह मंत्री की तरफ से यह आरोप ऐसे समय में आए हैं, जब कुछ दिन पहले ही राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भी विधायकों की खरीद फरोख्त को लेकर बयान दिया था। सिद्धारमैया का दावा था कि भाजपा ने उनकी सरकार को गिराने के लिए 50 विधायकों को खरीदने की साजिश रची थी। विधायकों को 50-50 करोड़ रुपये की पेशकश की गई थी। इस पर भाजपा ने पलटवार करते हुए कांग्रेस नेता को चुनौती दी है कि वह अपने दावों को साबित करें। हालांकि, सिद्धारमैया अपने दावे पर बने रहे थे। उन्होंने कहा था, ठमैंने वही कहा जो उन्होंने पहले किया था। मैंने कहा कि उन्होंने 50 करोड़ रुपये की पेशकश करके सरकार को अस्थिर करने की कोशिश की, जिसमें वे सफल नहीं हुए।मैसूर में एक कार्यक्रम के दौरान सीएम सिद्धारमैया ने कहा था कि किसी तरह सिद्धारमैया सरकार को गिराने के लिए भाजपा ने 50 विधायकों को 50 करोड़ रुपये की पेशकश की।

पटना, विहार के कृषकों का पॉच दिवसीय परिभ्रमण कार्यक्रम का शुभारम्भ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। प्रसार निदेशालय सैम हिग्गिनबॉटम कृषि प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय प्रयागराज में दिनांक 18 -28 नवंबर 2024 तक संचालित होने वाले सबमिशन ऑनलाइन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (आत्मा) योजनान्तर्गत जनपद पटना बिहार राज्य के 46 कृषकों का पांच दिवसीय कृषक परिभ्रमण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया प्रशिक्षण में कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में अध्यक्षता करते हुए निदेशक डॉक्टर प्रवीण चरण ने कृषकों को सम्मानित कृषिं प्रणाली की वर्तमान परिप्रेक्ष्य में उपयोगिता पर चर्चा करते हुए कहा कि सन 2050 तक भारत में खाद्य व्यवस्थाओं की मांग इतनी बढ़ जाएगी कि उसकी पूर्ति के लिए देश में औसत जोत कम पड़ जाएगी कृषि उत्पादन की ज्यादातर प्रयुक्त सामग्री महंगी होती जा रही है लेकिन इस अनुपात के कृषि उत्पादों का उचित मूल प्राप्त न होने के कारण किसी को की आर्थिक दशा खराब होती जा रही है इस समस्या के दृष्टिगत छोटे व सीमांत किसानों के लिए कृषि प्रणाली प्रबंध एक ऐसा विषय है जो किसानों की आर्थिक दशा में सुधार ला सकता है इस प्रणाली के माध्यम से कृषक छोटी जोत में कृषक विविध कारण एवं पशुपालन की तकनीकियों को अपनाकर आर्थिक रूप से उन्नत हो सकती है तथा यह प्रशिक्षण इसी तकनीकी ज्ञान से कृषि को अच्छादित्य करने हेतु आयोजित किया जा रहा है कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता करते हुए विभाग अध्यक्ष कृषक अर्थशास्त्र विज्ञान एवं निदेशक स्टाफ वेलफेयर डॉक्टर आशीष नोएल ने कृषकों को खेती की लागत कम करने हेतु प्रोत्साहित करते हुए कहा कि कृषि निवेशों में मुख्य रूप से रासायनिक करो एवं कीटनाशकों का अधिकतम उपयोग किया जा रहा है जो न सिर्फ फसलों की लागत मूल्य में उल्लेखनीय वृद्धि करता है अपितु विषय खाद्य पदार्थ का उत्पादन इसके प्रयोग से प्राप्त होता है जिससे स्वास्थ्य संबंधित गंभीर समस्याओं का प्रसार आम जनों में हो रहा है इसके निदान के लिए कृषि को कंपोस्ट युक्त गोबर की खाद एवं कार्बनिक करो का बहुतायत में उपयोग करना चाहिए जिससे न सिर्फ लागत में कमी आई है अपितु भूमि का स्वास्थ्य भी बेहतर रहेगा उपयोग कार्यक्रम में संयुक्त निदेशक प्रसाद डॉक्टर एक चौरसिया उपस्थित कृषि को बीज उत्पादन की तकनीकियों से अवगत कराएंगे तथा रबी मौसम में बोई जाने वाली विभिन्न फसलों की वैज्ञानिक खेती की जानकारी प्रदान करेंगे प्रसार निदेशालय में संवेग डॉक्टर अरुण यादव ने रवि मौसम में बोई जाने वाली खाद्यान्न एवं दलहनी फसलों की लागत कम कर अधिक उत्पादन प्राप्त करने की रूपरेखा का वर्णन करते तथा आगामी पान दिवसीय में कृषि को विश्वविद्यालय के प्रसिद्ध क्षेत्र में प्रतियोगात्मक प्रशिक्षण में सहयोग प्रदान करके कार्यक्रम के प्रशिक्षण संवेग डॉक्टर मनीष कुमार केसरवानी के कृषकों के समक्ष प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की पांच दिवसीय कार्यक्रम के दौरान सहभागिता कर रहे कृषिकों को रवि फसलों की वैज्ञानिक खेती की जानकारी दी जाएगी अपितु पशुपालन वानिकी औद्योगिक फसलों की खेती तथा श्री अन्य फसलों की खेती का भी प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा इस अवसर पर उन्होंने कृषकों को श्री अन्य के विभिन्न प्रसंस्कृत उत्पादों को तैयार करने की जानकारी भी प्रदान की उन्होंने अवगत कराया कि आगामी 5 दिनों में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक डॉक्टर योगेश चंद्र श्रीवास्तव जैविक खेती की तकनीकियों से अवगत कराएंगे तथा डॉक्टर टीडी मिश्रा और दैनिक फसलों की वैज्ञानिक खेती पर चर्चा करेंगे साथ ही डॉक्टर रामपाल सिंह पशुपालन के महत्व पर चर्चा करेंगे सियाज वैज्ञानिक डॉक्टर शिशिर कुमार मोटे अनाजों की खेती पर चर्चा करेंगे कार्यक्रम में वैज्ञानिक डॉक्टर मदन सेन सिंह ने श्री अन्य की महत्ता पर चर्चा करते हुए कहा कि कुपोषण आज की बहुत जलवत समस्या है तथा अपने दैनिक आहार में पोषक तत्वों से भरपूर श्री अन्य के उपयोग से न सिर्फ कुपोषण की समस्या का निदान होगा अभी दूसरी अन्य के उपभोग को बढ़ावा देकर कृषक अपनी आर्थिक स्थिति भी उन्नत कर सकेंगे वर्तमान परिप्रेक्ष्य में उपभोक्ता लंबी जीव अवधि के लिए उच्च गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता देते हैं व्यस्त जीवनचार्य के कारण आसानी से बनने वाली उत्पादों का चयन करते हैं अतः आज के समय की मांग यह है कि मोटापे मधुमेह उदारी तथा अन्य जीव शैली संबंधित रोग हेतु सस्तुत श्री अन्य वेः स्वास्थ्यवर्धक लाभ के संबंध में जागरूकता लाई जाए तथा यह प्रशिक्षण को अपनाकर आर्थिक रूप से समृद्धि होना आज के समय की मांग है प्रसार निदेशालय की महिला उत्प्रेरक श्रीमती मीना नाथन ने कृषि को महिला सशक्तिकरण एवं एफपीओ स्वयं सहायता समूह के माध्यम से कृषि महिलाओं को आर्थिक रूप से उन्नत करने पर चर्चा की कार्यक्रम के अवसर पर वैज्ञानिक डॉक्टर शैलेंद्र कुमार सिंह ने कृषि को विश्वविद्यालय के प्रशिक्षित क्षेत्र एवं विभिन्न विभागों में भ्रमण कराया तथा शोध परियोजनाओं में कार्य वैज्ञानिकों से किसी को की चर्चा कराई तथा समस्या एक कृषि समस्याओं का निराकरण किया।

नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेंनिंग सेंटर पर आयोजित होने वाले वृहद रोजगार मेले

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेंनिंग सेंटर पर आयोजित होने वाले वृहद रोजगार मेले के लिए प्रभाकर तिवारी, सौरभ द्विवेदी, अमन सिंह, अभिषेक सिंह अन्य लोगों ने आगामी तैयारी का जायजा लेने के लिए आईटीआई कॉलेज के परिसर में पहुंचे और आगामी कार्यक्रम की तैयारी के बारे में रूपरेखा तैयार की केन्द्रके समन्वयक मोहम्मद कौसरकी उपस्थिति में समस्त तैयारी का जायजा लिया गया। लगभग 1000 से ज्यादा कैंडिडेट्स के आने की संभावना बताई जा रही है। कार्यक्रम के आयोजक प्रदीप झा ने कंपनी के सभी छात्रों का आह्वान किया 21 नवंबर को बृहद रोजगार से संबंधित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस भी आयोजित किया जाएगा जिसमें आने वाली समस्त कंपनियों की जानकारी दी जाएगी साथ ही साथ 1 दिसंबर को आयोजित होने वाले शानदार रोजगार मेले की आगे की जानकारी भी देती दी जाती रहेगी।

प्रदेश आस/पास

भारत

विधायक ने 40 लाख के निर्माण कार्यों का किया लोकार्पण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मैहर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय विवेकानंद महाविद्यालय में आज 40 लाख रुपए की लागत से निर्मित कॉलेज में प्रवेश द्वार एवं कई अन्य कार्यों का आज मैहर विधायक माननीय श्रीकांत चतुर्वेदी के मुख्य अतिथि एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता रामखेलावन कोल एवं विशिष्ट अतिथि भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष कमलेश सुहाने एवं जन भागीदारी के अध्यक्ष राजा पांडे की गरिमा में उपस्थिति में किया गया इस महाविद्यालय में आयोजित आज लोकार्पण के कार्यक्रम समारोह में छात्राओं को पुस्तक वितरण की गई जिसमें एसटी एससी छात्र-छात्राएं जिनको निशुल्क पुस्तक मिली 1. जया कोल 2. मानशी कोल 3. नंदनी कोल 4. शुभम कुमार साकेत 5. मानशी रावत 6. राजकुमारी बुनकर 7. प्रतिमा कोरी 8. लवकुश साकेत 9. अंकित साकेत 10. अजय साकेत इसके अतिरिक्त महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं को पढ़ने के लिए पात्रता पत्र अतिथि शिक्षकों को वितरण कर महाविद्यालय में सेवाएं देने के लिए एक सत्र 2024-25 के लिए नियुक्त किया गया जन भागीदारी समिति द्वारा सत्र 2024-25 में छात्रों के अध्ययन हेतु निम्न प्राध्यापको को पढ़ाने की पात्रता के लिए चयन किया गया 1 पीयूष पांडेय 2 दिव्या सिं 3 मानसी गौतम 4 साधना मौर्या 5 दीपक पांडेय 6 डॉक्टर रीता तिवारी 7 भारत सोनी 8 सुनील अहिरवार 9 गोपाल उपाध्याय इस अवसर पर कार्यक्रम के शुभारंभ पर अतिथि स्वागत के पश्चात कॉलेज के प्रिंसिपल श्री सिंह साहब ने सभी अतिथियों का स्वागत

उद्बोधन किया तत्पश्चात फुटबॉल अंडर 17 राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में चयनित मैहर की छवी गुप्ता फुटबॉल गेम में उपलब्धि हासिल करने के लिए सम्मानित किया गया गुरुकुल स्कूल के प्रचार संजय गुप्ता एवं स्कूल की छात्रा छवी गुप्ता ने मुख्य अतिथि मैहर विधायक माननीय श्रीकांत चतुर्वेदी जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलवंकोल एवं भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष कमलेश सुहाने के हाथों सम्मान प्राप्त किया इस अवसर पर मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने संबोधित करते हुए कहा कि आज देश के अंदर बेटियां बेटों से आगे निकलते जा रही हैं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब से देश के प्रधानमंत्री बने हैं उनके कार्यकाल में अब बेटियां हर स्तर पर तरक्की कर रही है आज भारत देश की बेटियां हवाई जहाज से लेकर देश का नेतृत्व करने में बराबर के हिस्सेदार हैं इसका जीता जागता प्रमाण है कि मैहर जैसे छोटे से शहर में लड़कियां राष्ट्रीय खेलों के लिए चयनित हो रही है महाविद्यालय में यूनिवर्सिटी खेलने के लिए मैराथन एथलेटिक्स करते क्रिकेट अन्य राष्ट्रीय खेलों में भी यूनिवर्सिटी तक खेलने के लिए चयनित हुई है जिन्हें में सभी को बधाई देता हूं और शिक्षा के साथ-साथ खेल जगत में भी बेटियां अपना जौहर प्रदर्शन बेहतर कर रही है जिसके लिए स्कूल के प्रबंधक संजय गुप्ता एवं महाविद्यालय के प्रोफेसर बधाई के पात्र हैं इस अवसर पर कमलेश सुहाने ने कहा कि आज बेटियां देश का गौरव बनती जा रही है शिक्षा में आगे बढ़कर बड़े-बड़े अधिकारी पोस्ट में भी बेटियां जब बैठी हैं तो हमारा भी सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलवंकोल ने कहा कि मैं भी एक शिक्षक था रिटायर होने के बाद राजनीतिक क्षेत्र में जिला पंचायत का चुनाव लड़ा और मैंने कभी कल्पना नहीं की थी कि मैं जिला पंचायत अध्यक्ष बन जाऊंगा लेकिन आज सतना जिला पंचायत का अध्यक्ष हूं कल तक आप जैसे बच्चों को भी पढ़ने में अपनी पूरी जीवन मैंने व्यतीत कर दिया उन दिनों शिक्षा के लिए काफी अभाव होता था बेटियां शिक्षा अध्ययन करने में काफी पीछे होती थी लेकिन आज समाज में ऐसी जागरूकता है की आज बेटियां समाज में बराबर के हिस्सेदार है एवं में एनसीसी की छात्राओं ने मैहर विधायक और उपस्थित अतिथियों को सलामी दी एवं कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया इसके पश्चात कार्यक्रम का आभार महाविद्यालय के जन भागीदारी अध्यक्ष राजा पांडे ने किया इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सतीश मिश्रा भाजपा नेत्री शशि मिश्रा आदित्य नारायण शुक्ला कॉलेज के प्रचार प्रोफेसर एवं सैकड़ो की तादाद पर छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रही।

पानी के समस्याओं को लेकर तुरित करें निस्तारणः जेई मनीष

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। उ0प्र0 शासन द्वारा जन शिकायतों की सुनवाई तथा उनका गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण के लिये प्रत्येक सोमवार को नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन हेतु दिये गये आदेश के क्रम में सोमवार को नगर पालिका परिषद सोनभद्र में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस का आयोजन जेई मनीष कुमार ने सुनी समस्या।वही तत्कम में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस में प्राप्त शिकायतें क्रमशः नगर पालिका परिषद सोनभद्र में 4, नगर पंचायत घोरावल में 1, नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 2, नगर पंचायत चोपन में 2, नगर पंचायत ओबरा में 1, नगर पंचायत रेनुकूट में 0. नगर पंचायत पिपरी में 2, नगर पंचायत दुद्धी में 2, नगर पंचायत डाला बाजार में 1, नगर पंचायत अनपरा में 2, समस्त निकायों को मिलाकर कुल 17 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें मुख्य रूप से साफ-सफाई, पेयजल व मार्ग प्रकाश, से सम्बन्धित सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया। नगर पालिका परिषद सोनभद्र द्वारा बताया गया कि जनता की समस्याओं से रूबरू होने व उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता पर है इस पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जा रही है।इस दौरान सभासद मनोज चौबे ,धर्मराज जैन, सजीत ,बिमलेश,अजीत सिंह, आकाश रावत,अमित दुबे सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

राज्य पुरस्कृत अध्यापक व साहित्यकार राजकुमार सिंह को बेसिक शिक्षा निदेशक द्वारा राजधानी लखनऊ में किया गया सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। जनपद सोनभद्र के विकास खंड- घोरावल के प्राथमिक विद्यालय दुरावल खुर्द के राज्य पुरस्कृत शिक्षक राजकुमार सिंह को बेसिक शिक्षा निदेशक द्वारा सम्मानित किया। बता दें कि उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में राज्य के बेसिक शिक्षा के बच्चों को निपुण बनाकर बेसिक शिक्षा में सुधार करने एवं उत्तर प्रदेश को उच्च शिखर तक ले जाने हेतु राज्य स्तरीय निपुण शैक्षिक संगोष्ठी एवं शैक्षिक समागम समारोह का आयोजन किया गया। उक्त संगोष्ठी में डॉक्टर सर्वेंद्र विक्रम बहादुर सिंह पूर्व शिक्षा निदेशक (बेसिक), ललिता प्रदीप पूर्व अपर शिक्षा निरीक्षक (बेसिक), गणेश कुमार निदेशक राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उत्तर प्रदेश,पवन सचान संयुक्त शिक्षा निदेशक सर्व शिक्षा अभियान लखनऊ उत्तर प्रदेश , संजय कुमार उपाध्याय उप शिक्षा निदेशक (बेसिक) बेसिक शिक्षा निदेशालय, लखनऊ उत्तर प्रदेश के साथ साथ राष्ट्रपति पुरस्कार से पुरस्कृत शिक्षक श्याम नारायण मौर्य व रविकांत द्विवेदी तथा उत्तर प्रदेश के राज्य पुरस्कृत शिक्षक भी शामिल थे। राज्य को एक नई दिशा देने के लिए राज्य में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षक को सम्मानित भी किया गया।

मिर्ज़ापुर सोनभद्र

नगर पंचायत में सोलर स्ट्रीट लाइट चढा भ्रष्टाचार के भेट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
डाला सोनभद्र। नगर पंचायत डाला बाजार के वार्ड नंबर पांच डाला चढ़ाई व वार्ड नंबर एक धौठा टोला में नेडा विभाग द्वारा सोलर स्ट्रीट लाइट लगवाए जाने में दिख रही ठेकेदार के द्वारा नगर के वार्ड नंबर 5 डाला चढाई झपरहवा टोला व वार्ड नंबर 1धौठा टोला मे सोलर स्ट्रीट लाइट पोल सहित लगवाने का कार्य शुरू कर दिया और लगभग 90 सोलर स्ट्रीट लाइट पोल अधिकारी ने भी स्थलीय निरीक्षण किया और खामियां पाए जाने पर ठेकेदार को फटकार लगाते हुए मानक को देखते कार्य करने हेतु कहा गया था लेकिन ठेकेदार द्वारा अधिशासी अधिकारी अमीत कुमार

खामियां जन हित के विकास कार्यों के धन को बंदर बांट कर ठेकेदार जेब भरने में लगे ,भ्रष्टाचार जोरो पर ,विभाग मौन जहा सूबे के मुख्यमंत्री एक तरफ भ्रष्टाचार मुक्त को लेकर अनेक प्रकार के योजनाएं चला रहें हैं वहीं उनके मनसूबों पर विभागीय अधिकारियों से साठ गाठ कर मानक विहीन कार्य कर जेब भरने में मस्त हैं। ऐसा ही मामला नगर पंचायत आए दिन देखने को मिल रहा है मिली जानकारी के मुताबिक ओबरा ताप्तिय परियोजना ओबरा - सी के सीएसआर के तहत नगर पंचायत डाला बाजार में सोलर स्ट्रीट लाइट का स्थापना कार्य वित्तिय वर्ष 2024/25 के सहयोग से कार्यदाई संस्था - यूपी नेडा सोनभद्र को दे दिया गया और यूपी नेडा सोनभद्र ने स्थापनाकर्ता - सनसरोवर प्राइवेट लिमिटेड को लगभग 222 पोल लगवाने हेतु दे दिया गया जिसके बाद स्थापना कर्ता को स्थापित करने हेतु गड्ढा खोदने वाला डिल मशीन से गड्ढा खोदकर पोल खड़ा कर दिया गया लेकिन उसमें अंदर कंक्रीट नहीं किया गया और ऊपर से कोरम पूरा करते हुए दो छोटी तगाड़ी मशालें की सांचा से ऊपर ऊपर डलाई कर दिया जा रहा है और ठेकेदार को कार्य करवाने की इतना जल्दी था की उसको सोलर स्ट्रीट लाइट कहा लग रहा है उससे जनहित में कितना लाभ होगा जहां ऐसे ऐसे जगहों पर लाइट लगाई गई जहा पहले से ही बड़े बड़े हाइ मास्क स्ट्रीट लाइट व लाइट की व्यवस्था सुदृढ़ है ठेकेदार अपने कोटा को खपत करने हेतु कई ऐसे जगहों पर घर के बाउंड्री में लगा दिया है जिसको लेकर नगर वासियों में चर्चा का विषय बना हुआ वहीं जानकारी के मुताबिक बिना कंक्रीट के ही सोलर स्ट्रीट लाइट पोल खड़ा करने के शिकायत पर नगर के अधिशासी सरोज के निर्देश को दरकिनार करते हुए नगर दोनों वार्ड में स्ट्रीट लाइट पोल के ऊपर से हल्का फुल्का कंक्रीट का पालिस कर कार्य पूर्ण कर चलते बने। वहीं बात करें तो रहवासियों के मन चर्चा का विषय बना हुआ है की जब किसी भी परियोजना के द्वारा सीएसआर के फंड आवंटित किए जाते की उनके क्षेत्र में विकास के साथ जनहित समस्या दूर हो सकें। वहीं दूसरे तरफ संबंधित ठेकेदार मानक को ताख पर रखते हुए जेब भरने में लग जाते हैं और केवल कोरम पूरा कर चलते बनते और उच्च अधिकारियों की नजर पड़ने के वावजूद भी मौन रहते ऐसा क्यों इस संबंध नेडा के पीओ (परियोजना अधिकारी)ने बताया कि उपरोक्त मामले की जानकारी नहीं थी ऐसा मामला है तो जांच किया जायेगा। हर संभव प्रयास रहेगा कि मानक ध्यान में रखकर कार्य किया जाए।

उर्जाचल ट्रक आनर्स एसोशिएसन ने किया विरोध प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। पूर्वांचल ट्रक ओनर एसोसिएशन पदाधिकारी द्वारा सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर में विरोध प्रदर्शन करते हुए अपनी विभिन्न मांगों को लेकर डीएम एवं एसपी को पत्र देकर बुलंद की आवाज। संगठन उपाध्यक्ष हरिकिशन सिंह ने बताया की बीते -26.10. को समय 12:00 बजे एनटीपीसी शक्तिनगर गेट हाउस मे आहुत जनपद-सोनभद्र के हाथीनाला से शक्तिनगर तक लगने

वाले जाम की समस्या के निराकरण हेतु सम्पन्न हुई बैठक के उपरान्त जिलाधिकारी- व पुलिस अधीक्षक- के संयुक्त हस्ताक्षर से जारी कार्यवृत्त दिनांकः 13 नवम्बर, के बिन्दु क्रमांकः-1 मे सितम्बर, 2024 से 07 साल से पुराने मालवाहको (ट्रेलर, ट्रिपट्रेलर, हाईवा, ट्रक) से कोयला अभिवहन पर रोक लगाये जाने हेतु केन्द्रीय मोटर यान अधिनियम-1988 (यथासंशोधित) के प्राविधानो के विपरीत लिये गये निर्णय को वापस लेने को लेकर सगठन पदाधिकारियों ने विरोध जताते हुए पत्र दिया वही संगठन पदाधिकारी ने बताया कि महत्वपूर्ण है कि मालवाहको (ट्रेलर, ट्रिपट्रेलर, हाईवा, ट्रक) को परिवहन विभाग द्वारा जारी किया जाना वाला रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट हेतु जारी किया जाता है तथा तत्पश्चात आवश्यक 15 वर्ष अर्हताए (फिटनेस इत्यादि) पुर्ण करने पर उनका रजिस्ट्रेशन पुनः पांच वर्ष हेतु नवीनीकृत किया जाता है ऐसे मे महज रजिस्ट्रेशन से 07 वर्ष से ज्यादा अवधि के मालवाहको से कोयला अभिवहन पर रोक सम्बन्धित लिया गया निर्णय त्रुटिपूर्ण है महत्वपुर्ण है कि उपरोक्त निर्णय जनपदः सोनभद्र मे हाथीनाला से शक्तिनगर तक लगने वाले जाम की समस्या के निराकरण हेतु आहुत बैठक में आप द्रय के स्तर पर लिया गया है, उक्त बैठक मे सम्बन्धित प्रशासनिक अधिकारियो व कोयला खदान परियोजना तथा ताप विद्युत परियोजनाओ के प्रबंधन द्वारा आपके समक्ष लग रहे जाम के मुल कारणो का उल्लेख नही किया गया है तथा यह भी अवगत् नही कराया गया है कि सबसे ज्यादा जाम किन सडको के किस हिस्से पर लग रहा है। इस संदर्भ में अवगत् कराना है कि जाम से सबसे ज्यादा प्रभावित रीवा-रांची राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-39ई) का हिस्सा डिबुलगंज-रेनुकुट-हाथीनाला राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-39ई) है जिससे प्रतिदिन लाखो टन कोयला व राख का 'अभिवहन भारी मालवाहको से होता है तथा उक्त मार्ग विगत् 10 वर्ष पूर्व से फोर लेन/छः लेन बनाये जाने हेतु प्रस्तावित है परन्तु अभी तक उक्त मार्ग फोर लेन/छः लेन में तब्दील नही हो पाया है तथा सडक का आधा हिस्सा गड्?ढो मे तब्दील है जिसके कारण कोयला व राख लदे मालवाहक ब्रेकडाउन हो जाते है जो जाम का कारण बनता है इसके अतिरिक्त जाम लगने का मुख्य कारण कोयला आधारित ताप विद्युत परियोजनाओ के राख बंधो/साईलो से ओवरलोड राख लेकर निकलने वाले मालवाहको का ब्रेकडाउन होना है तथा विंगत् माह मे लगे जाम का कारण भी ओवरलोड राख लदे मालवाहक जो राष्ट्रीय राजमार्गो के निर्माण में राख भराव हेतु प्रयुक्त होते है का ब्रेकडाउन होना है। वर्तमान मे एनटीपीसी की सिंगरौली सुपर थर्मल पावर स्टेशन परियोजना (शक्तिनगर, सोनभद्र), रिहन्द सुपर थर्मल पावर स्टेशन (बीजपुर, सोनभद्र), विन्ध्याचल सुपर थर्मल पावर स्टेशन (विन्ध्यनगर, सिंगरौली), लैंको अनपरा पावर प्राईवेट लिमिटेड-ईंध्ं परियोजना के राख बंधो व साईलो से राख का अभिवहन भारी मालवाहको द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्गो के निर्माण हेतु राख भराव हेतु किया जा रहा है, इन परियोजनाओ के राख बंधे से मालवाहको की भार वहन क्षमता से कई गुना ज्यादा राख का लदान किया जा रहा है तथा ओवरलोड राख के लदान व अभिवहन का आलम यह है कि एनटीपीसी के परियोजनाओ के राख बांध व साईलो से मालवाहको पर इस कदर ओवरलोड राख का लदान किया जा रहा है कि इन परियोजनाओ मे स्थापित ्रुॅँग्ु राख लदे मालवाहको का तौल करने में असमर्थ शाबित हो रहे तथा मैनुअल वजन पर्ची देकर मालवाहकों को राख भराव हेतु राख लेकर भेजा रहा है इसी प्रकार से लैंको अनपरा पावर प्राईवेट लिमिटेड-ईंध्ं परियोजना द्वारा अनपरा तापीय परियोजना के राख बांध मे अपने राख का निस्तारण किया जाता है तथा वर्तमान मे वही से राख का लदान राख अभिवहन करने वाले मालवाहको पर किया जाता है तथा इनके राख बांध से राख लेकर निकलने वाले मालवाहको के तौल हेतु परियोजना के स्तर पर कोई ्रुॅँग्ु नही स्थापित है जिसके चलते लैंको अनपरा पावर प्राईवेट लिमिटेड-ईंध्ं परियोजना द्वारा राख निस्तारण हेतु प्रयुक्त लाये जा रहे राख बांध से मालवाहको की क्षमता से कई गुना अधिक राख का लदान हो रहा है तथा इन परियोजनाओ से ओवरलोड राख लेकर निकलने वाले मालवाहक डिबुलगंज-रेनुकुट-हाथीनाला राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-39ई) पर ब्रेकडाउन होकर जाम का कारण बन रहे है तथा जाम की समस्या के निराकरण हेतु प्रथमतः ओवरलोड राख के अभिवहन पर रोक लगाया जाना तथा द्वितीयतः रीवा-रांची राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-39ई) का हिस्सा डिबुलगंज- रेनुकूट-हाथीनाला राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-39ई) है कि मरम्मतीकरण व फोर लेन/छः लेन मे चौडीकरण आवश्यक है। उपरोक्त तथ्यो को दृष्टिगत रखते हुये आपसे आग्रह है कि राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-39ई) पर लग रहे जाम की समस्या के निराकरण हेतु कोयला आधारित ताप विद्युत परियोजनाओ के राख बंधे व साईलो से हो रहे इस दौरान ओमप्रकाश द्विवेदी आनंद कुमार गोपाल सिंह सुशील तिवारी पप्पू सिंह राजकुमार मनीष कुमार श्रवण उपेंद्र दिलीप योगेंद्र सुभाष मिश्रा आदि लोग मौजूद रहे।

दिव्यांग 74 वृद्ध महिला 1 वर्ष से भटक रही पेंशन के लिए दर बदर सुनने वाला कोई नहीं- राकेश केशरी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
ओबरा/सोनभद्र। जनपद सोनभद्र के तहसील ओबरा अन्तर्गत ओबरा नगर पंचायत क्षेत्र 74 वर्षीय निवासी मछली मंडी में झोपडी में निवास करने वाली

देवी पत्नि श्याम लाल(हलुआई) जो दिव्यांग पेंशन के लिए पिछले लगभग 1 वर्ष से दर बदर भटक रही है बीमार रहती है ईलाज के लिए भी परेशान रहती हैं जिला कार्यालय पर दर्जनों बार जाने पर भी कोई समाधान नहीं मिला। देवी कुमारी के मामले में पड़ताल करने पर दिव्यांग कल्याण विभाग सोनभद्र पहुंचने पर जहां मामले में अलग मोड़ आया सामने कार्यालय में 2 आवेदन देखने को मिला आवेदन संख्या 31631003814 देवी कुमारी (ग्राम पंचायत पटना विकास खण्ड चतरा) जिसमें फैमिली मेंबर संख्या 12001002673O में दर्ज हैं वहीं दूसरा आवेदन जिसका आवेदन संख्या 31632005396 (ओबरा नगर पंचायत) जिसमें फैमिल मेंबर संख्या 12001002673O में दर्ज हैं।इस मामले को सेवा ही संकल्प के राकेश केशरी ने जिला प्रशासन से यह मांग किया कि इस देवी पत्नि श्याम लाल(हलुआई) जो दिव्यांग पेंशन के लिए पिछले लगभग 1 वर्ष से दर बदर भटक रही है एक ही महिला का 2 जगह आवेदन कैसे किसने दिया पात्रता विस्तृत रूप से जिला प्रशासन जांच कमेटी गठित कर समस्या का निदान करते हुए पेंशन चालू किया जाये।

कानून व्यवस्था को मजबूत करने के साथ ही खाकी कर रही रिश्तों को भी मजबूत :सविता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार जनपद में ङ्खमिशन शक्तिङ्क नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलम्बन के क्रम में रविवार को महिला थाना रॉबट्र्सगंज पर आयोजित परामर्श केन्द्र में थानाध्यक्ष महिला थाना, सविता सरोज मय टीम द्वारा महिला थाना रॉबट्र्सगंज में पति-पत्नी के बीच चल रहे विवाद के संम्बंध में 05 जोड़ा पति-पत्नी की समस्याओं को सुनते हुए उन्हें सुलझाया गया जिससे पति-पत्नी राजी-खुशी से आपस में एक साथ रहने के लिए सहमत होकर घर गए । इसके अतिरिक्त 03 प्रकरण में अग्रिम तिथि नियत की गई । काउंसलिंग के दौरान महिला थानाध्यक्ष द्वारा परामर्श केन्द्र में आये दम्पतियों की पारिवारिक सम्बंधी प्रकरणों में उनकी काउंसलिंग की गयी तथा पति-पत्नी को आपस में विवाद को खत्म कर सुलह-समझौता कराते हुए साथ में रहने हेतु प्रेरित किया गया जिससे दोनों जोड़े हंसी-खुशी साथ मे रहने हेतु तैयार हो गये जिसपर पुलिस द्वारा उन्हें उनके आगामी जीवन की शुभकामनाएं दी गई ।

किसानों को पर्याप्त बिजली,पानी सहित अन्य मांगों को लेकर भाकपा व किसान सभा ने संयुक्त रूप एडीएम (नमामि गंगे) को सौंपा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सोमवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी व उत्तर प्रदेश किसान सभा के प्रतिनिधि मंडल ने जिलाधिकारी कार्यालय पर पहुंच कर मौके पर मौजूद एडीएम (नमामि गंगे) को राष्ट्रपति व राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन को सौंपा। जहां उक्त संगठन के नेताओं का कहना रहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार के शासनकाल में जहां जनता अनेकानेक समस्याओं से जूझ रही है वहीं देश के लिए अन्नदाता कहे जाने वाले किसानों की समस्याओं को भी इस सरकार द्वारा नजर-अंदाज किया जा रहा है, यह कितनी विडम्बना की बात है कि इस खेती के सीजन में जब किसान सबसे महत्वपूर्ण फसल रबी की फसल की बोआई कर रहे हैं और उन्हें डीएपी सहित अन्य खादों की अतिआवश्यकता है, डबल इंजन वाली सरकार उन्हें खाद तक उपलब्ध नहीं करा पा रही है। दिन दिन भर किसान खेतों का काम छोड़कर सहकारी समितियों के बाहर लाइन में खड़े रहते हैं , मौके पर बैक डोर से खाद गायब हो जाता है जिसके चलते झड़प भी होती है, पुलिस बल का प्रयोग कर किसानों पर लाठियां भी बरसाई जाती है और किसानों को निजी खाद व्यापारी के यहां जानें पर मजबुर किया जाता है जो भारी दाम वसूल कर किसानों को कंगाल बना रहे हैं । इस समय धान की बिक्री में भी किसानों को लुटवाया जा रहा है।

इस वर्ष पहले सूखा और फिर बाढ़ से धान की पैदावार औसत से कम हुई है और उसका लागत मूल्य काफी अधिक आया है। सरकारी तौर पर खरीदें जाने वाले धान को आढ़तिए (बिचौलिए) किसानों से कम मूल्य पर खरीद कर सरकारी खरीद केंद्र को देकर कर पूरा लाभ कमा रहे हैं। किसानों की आमदनी को दोगुना करने की दावा करने वाली सरकार की शोषणवादी नीतियों के चलते किसानों को भारी घाटा हो रहा है। इसके साथ ही समूचे प्रदेश में इस समय बड़े पैमाने पर वायरल, डेंगू, और चिकनगुनिया जैसी बीमारियां फैली हुई है, इसका मुख्य कारण स्वच्छता अभियान को मुंह चिढ़ाती जगह जगह फैलीं व ढ़ेर लगाई गंदगियों और कीटनाशक दवाओं का छिड़काव न होना भी है । प्रदेश में स्वास्थ्य महकमा भी फेल है, तत्काल घटित झांसी मेडिकल कॉलेज की घटना से पूरा देश मर्माहत है । ऐसे कई सवाल हैं जिससे लोगों में अफरातफरी का माहौल बना हुआ है। दिए गए ज्ञापन में कहा गया कि डीएपी खाद की कालाबाजारी पर रोक लगाई जाए और इसे सहकारी समितियों पर किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराया जाए। क्रय-विक्रय सहकारी समितियों पर हो रहे भ्रष्टाचार व दलाली प्रथा को रोका जाए और किसानों को हर तरह की सहुलियत प्रदान करते हुए उन्हें धान का उचित मूल्य व पर्याप्त मात्रा खाद/बीज उपलब्ध कराया जाए। मच्छर जनित रोगों से मुक्ति के लिए सभी शहरों और गांवों में कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कराया जाए और युद्ध स्तर पर स्वच्छता अभियान चलाया जाए। मनरेगा योजना में मजदूरों की मजदूरी 600 रुपए प्रतिदिन किया जाए और उन्हें दो सौ दिन के काम की गारंटी सुनिश्चित किया जाए।नेताओं ने कहा कि सर्वाधिक बिजली उत्पादन और पर्याप्त प्राकृतिक पानी स्रोत वाले जनपद सोनभद्र के अधिकांश इलाकों में खेती प्रकृति पर निर्भर है। जबकि सिंचाई के लिए भिन्न भिन्न क्षेत्रों में चेकडैम , बंधें और पहले से स्थापित कई सोन, व कनहर जैसी बड़ी सिंचाई परियोजनाएं भी हैं उनका विस्तारीकरण कराया जाए और कटौती मुक्त पर्याप्त बिजली आपूर्ति किया जाए जिससे जनपद का कृषि उत्पादन में भी पहचान हो और यहां के आदिवासी व किसान खेती से आत्मनिर्भर बन सकें। जनपद के गिट्टी /बालू खनन क्षेत्रों में चल रहे अवैध तरीके से नदी की धारा को रोककर तथा जलीय जीव जंतुओं को भारी क्षति पहुंचाते हुए चल रहे जेसीबी पोकलेन जैसी मशीनों को तत्काल रोक लगा कर खनन ठेकेदारों पर कार्रवाई किया जाए और खनन में मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराया जाए। सोनभद्र में वन विभाग द्वारा आदिवासियों, जनजातियों पर लगातार किए जा रहे शोषण उत्पीड़न पर रोक लगाई जाए और यहां वनाधिकार कानून का मुस्तैदी से पालन कराया जाए । इस मौके पर प्रमुख रूप से भाकपा के जिला सचिव कामरेड आर के शर्मा, किसान सभा के जिला संयोजक कामरेड रामरक्षा, शिवमंगल प्रसाद, बसावन गुप्ता, देव कुमार विश्वकर्मा, विरेन्द्र सिंह गोंड, जोगेंद्र सिंह, राजेन्द्र प्रसाद व नागेन्द्र प्रसाद आदि मौजूद रहे।

भगवाना बिरसा मुंडा के जन्मोत्सव पर पूरे सप्ताह जनपद भर में मना आदीवासी गौरव दिवस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। आकांक्षी जनपद सोनभद्र में भारत सरकार के निर्देश के क्रम में पंचायती राज एवं पिरामल सभा मे उपस्थित सभी सदस्यों को बिरसा मुंडा के जीवन के बारे में एक ऑडियो के द्वारा भी जानकारी दी गई वन अधिकार अधिनियम कर हम अपनी पंचायत को एक विकसित पंचायत के रूप में प्रदर्शित कर सकते हैं जिस पर विस्तार से चर्चा की गई चर्चा के

फाउंडेशन द्वारा 143 ग्राम पंचायत और 176 ग्राम सभा जहां जनजाति समुदाय निवास करता है जनजाति गौरव दिवस के अवसर पर बिरसा मुंडा जी के 150वी जयंती के शुभ अवसर पर दिनांक 16 नवंबर 2024 से जनजातीय गौरव दिवस, के रूप में एक विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया जा रहा है जिसमे सोनभद्र के समस्त ग्राम पंचायतों में ग्राम सभा की अध्यक्षता ग्राम प्रधान एवं पंचायत सचिवों के द्वारा की जा रही है साथ हि पिरामल फाउंडेसन एवं वर्ल्ड विजन के सहयोग से सभा की शुरुआत बिरसा मुंडा जी के द्वारा जनजाति समुदाय के लिए किए गए संघर्ष कार्यों और उनके जीवन काल के बारे में विस्तार से बताया गया। (स्रन), पंचायत का अनुसूचित क्षेत्र तक विस्तार (ईंटें), के बारे में सभा में विस्तार से चर्चा की गई एवं भगवान बिरसा मुंडा जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर एक पेड़ मी के नाम भी लगाया गया साथ में जनजाति समुदाय के अधिकारों के बारे में विस्तार से बताया गया पिरामल फाउंडेशन की टीम के द्वारा पंचायत विकास सूचकांक (इ्रघ्) और सतत विकास (थ्एउ) के 17 लक्ष्यो और 9 विषय पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गयी, साथ ही पंचायत के द्वारा मिलकर समुदाय एवं पंचायत की भागीदारी से किस प्रकार एक विकसित ग्राम पंचायत का निर्माण किया जा सकता है किस प्रकार कम लागत और बिना लागत की गतिविधियां दौरान ग्राम पंचायत एवं समुदाय के लोगों ने बाल हितैषी ग्राम पंचायत एवं स्वस्थ ग्राम पंचायत के निर्माण में सहयोग करने व लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सहमति जताई जिस पर विस्तार से चर्चा की गई सभा में उपस्थित सभी लोगों ने नशा मुक्ति और स्वच्छत पंचायत की शपथ साथ मिलकर के ली। अंत में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण भी किया गया। इस अवसर पर सभा में, ए डी ओ पंचायत, ग्राम सचिव, ग्राम प्रधान, पंचायत सहायक, आंगनवाड़ी, एवम् पिरामल फाउंडेशन की टीम से वीरेंद्र पाण्डेय ,सायनी बोस, सृष्टि,स्वाति, अनामिका ने बैठकों में रिसोर्स पर्शन के रूप में सहयोग किया ।

ए एस यू आई के नेता अभिषेक शुक्ला की रिहाई को लेकर किया मुख्यमंत्री से मांग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सोमवार को भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघटन के राष्ट्रीय सचिव अनुराग राज द्विवेदी एवं प्रदेश अध्यक्ष ऋषभ पांडेय के निर्देश पर आज मुख्यमंत्री के नामित आंदोलन कर रहे थे जिसमें उन्हें गिरफ्तार कर गंभीर धाराओं में उन्हें जेल में बंद कर दिया गया है जो न्याय संगत नहीं है । उपरोक्त मामले को देखते हुए राष्ट्रीय छात्र संगठन के शिर्ष नेतृत्व के निर्देश पर आज

जिलाधिकारी सोनभद्र द्वारा ज्ञापन के माध्यम से , जिला अध्यक्ष सोनभद्र राष्ट्रीय छात्र संगठन अंशु गुप्ता के नेतृत्व में छात्र नेता अभिषेख शुक्ला को रिहा करने की मांग की गई । छात्र नेता अंशु गुप्ता ने कहा कि की छात्र नेता अभिषेक शुक्ला द्वारा प्रयागराज में ईंध् की परीक्षा मामले में शांतिपूर्ण तरीके से उपयुक्त मामले को लेकर मांग की गई कि उनके ऊपर से गंभीर धाराओं को हटाकर उन्हें रिहा किया जाए साथ उनके साथियों को भी छोड़ दिया जाए, इसकी मांग हम सब भी करते है । मुख्य रूप से उपस्थित रहने वालों में राज चौबे शनि गुप्ता संदीप मदेशिया अमन चौबे अंकुश दुबे आदि रहे।

स्पोर्ट्स

साउथ अफ्रीका ने अफगानिस्तान को रौंदकर की वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी, भारत को इतने अंतर से पछाड़ा

तिलक, सूर्यकुमार और सैमसन ने रोहित को पिता बनने पर दी बधाई, वीडियो पोस्ट कर दिया खास संदेश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। रोहित दूसरे बच्चे के जन्म के कारण फिलहाल ब्रेक पर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर नहीं गए हैं। दूसरी ओर, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चार मैचों की टी20 सीरीज कहा, 'हमें छोटे पैड, साइड आर्म और बल्ले के साथ तैयार रहना होगा क्योंकि एक छोटा बच्चा आ

चल रहे हैं और वह भारतीय टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर नहीं गए हैं। दूसरी ओर, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चार मैचों की टी20 सीरीज जीतने के बाद भारतीय बल्लेबाज तिलक, सूर्यकुमार और सैमसन ने रोहित को पिता बनने पर बधाई दी। भारतीय टीम के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा और संजू सैमसन ने रोहित शर्मा को दूसरी बार पिता बनने पर बधाई दी है। रोहित की पत्नी रितिका ने शुक्रवार को बेटे को जन्म दिया। रोहित दूसरी बार पिता बने हैं, इससे पहले उनकी एक बेटी समायरा भी है। रोहित ने शनिवार को इंस्टाग्राम पर पोस्ट के जरिये इसकी सूचना दी थी। रोहित दूसरे बच्चे के जन्म के कारण फिलहाल ब्रेक पर चल रहे हैं और वह भारतीय टीम के साथ जीतने के बाद भारतीय बल्लेबाज तिलक, सूर्यकुमार और सैमसन ने रोहित को पिता बनने पर बधाई दी और उनके लिए एक विशेष वीडियो संदेश जारी किया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक वीडियो शेयर किया जिसमें सूर्यकुमार मैच के बाद तिलक और सैमसन को बता रहे हैं कि उन्हें रोहित के दोबारा पिता बनने की जानकारी मिली है। इसके बाद सूर्यकुमार ने तिलक और सैमसन से कहा कि आप लोग रोहित के लिए क्या संदेश देना चाहेंगे। इस पर तिलक ने कहा, मैं बहुत खुश हूं। रोहित भाई इस पल का इंतजार कर रहे थे। अगर एक-दो दिन देर हो जाती तो मैं पहुंच जाता वहां पर, लेकिन आ रहा हूं जल्दी देखने के लिए। सूर्यकुमार ने भी रोहित के लिए विशेष संदेश भेजा और चुका है।' वहीं, सैमसन ने रोहित को बधाई देते हुए कहा, बड़े भाई और उनके परिवार के लिए काफी खुश हूं। भारतीय टीम ने तिलक और सैमसन की रिकॉर्ड साझेदारी से दक्षिण अफ्रीका को चौथे टी20 मुकाबले में हराकर चार मैचों की सीरीज 3-1 से अपने नाम की थी। तिलक ने 47 गेंदों पर नौ चौकों और 10 छक्कों की मदद से नाबाद 120 रन बनाए। उन्होंने इस दौरान संजू सैमसन के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 210 रनों की अविजित साझेदारी की। सैमसन ने भी शतक जड़ा था। इन दोनों बल्लेबाजों की शानदार पारियों से भारत ने 20 ओवर में एक विकेट पर 283 रन बनाए जो टी20 अंतरराष्ट्रीय इतिहास का दूसरा सर्वोच्च स्कोर है।

'मैं आपको जान से मार दूंगा', टायसन को जेक पॉल के भाई और रेसलर लोगन से मिली धमकी, जानें मामला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। प्रसिद्ध खेल पत्रकार एरियल हेलवानी ने टायसन से मैच के बाद मुक्केबाजी में उनकी योजनाओं के बारे में पूछा। इस पर टायसन ने जवाब दिया- मुझे नहीं मालूम। यह स्थिति पर निर्भर करता है।जेक पॉल ने शनिवार को पेशेवर मुक्केबाजी मैच में अमेरिकी दिग्गज माइक टायसन को हराकर सभी को चौंका दिया। हालांकि, दोनों मुक्केबाजों के बीच उम्र का भारी अंतर था। टायसन की उम्र जहां 58 साल है और वह 19 साल बाद प्रोफेशनल बॉक्सिंग में वापसी कर रहे थे, वहीं जेक पॉल की उम्र 27 साल है। 58 वर्षीय टायसन ने आर्लिंगटन के एटी एंड टी स्टेडियम में आठ राउंड के मुकाबले के दौरान कड़ी मेहनत की और आखिरी राउंड तक डटे रहे। उन्होंने जेक को कड़ी टक्कर दी। हालांकि, वह जीत हासिल नहीं कर सके। मैच के बाद टायसन से पूछा गया कि क्या यह उनका आखिरी

मुक्केबाजी मुकाबला था और इसका उन्होंने दिलचस्प जवाब दिया।प्रसिद्ध खेल पत्रकार एरियल हेलवानी ने टायसन से मैच के बाद मुक्केबाजी में उनकी योजनाओं के बारे में पूछा। इस पर टायसन ने जवाब दिया- मुझे नहीं मालूम। यह स्थिति पर निर्भर करता है। जब इसी विषय पर आगे पूछा गया, तो उन्होंने कहा, 'मुझे ऐसा नहीं लगता कि यह आखिरी मैच है?' यह पूछे जाने पर कि उनका अगला प्रतिद्वंद्वी कौन हो सकता है, टायसन ने जवाब देते हुए कहा कि वह जेक पॉल के भाई लोगन पॉल के खिलाफ लड़ना पसंद करेंगे। यह सुनकर, लोगन ने फट से कहा, 'मैं आपको जान से मार दूंगा माइक।' इस पर दोनों हंसने लगे। लोगन डब्ल्यूडब्ल्यू रेसलर और यूट्यूबर हैं। वह ें में यूनाइटेड स्टेट्स चैंपियन भी रह चुके हैं। 27 वर्षीय जेक पॉल ने अपनी बेहतर गति और मूवमेंट का इस्तेमाल उम्रदराज टायसन पर आसानी से हावी होने के लिए किया। हालांकि, इसके बावजूद टायसन ने उन्हें कड़ी टक्कर दी। नॉकआउट में अन्य प्रतिद्वंद्वियों को हराने वाले जेक टायसन के खिलाफ ऐसा करने में नाकाम रहे।

स्पेंसर जॉनसन ने हैरिस रउफ की मेहनत पर फेरा पानी, ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान से जीती टी20 सीरीज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में नौ विकेट पर 147 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की खिलाफ वनडे सीरीज गंवानी पड़ी थी, लेकिन टीम ने टी20 सीरीज में वापसी की और इसे अपने नाम किया। इससे पहले, टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने

टीम उस्मान खान के अर्धशतक के बावजूद 19.4 ओवर में 134 रन पर ऑलआउट हो गई। स्पेंसर जॉनसन की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टी20 मुकाबले में पाकिस्तान को 13 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में नौ विकेट पर 147 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम उस्मान खान के अर्धशतक के बावजूद 19.4 ओवर में 134 रन पर ऑलआउट हो गई। ऑस्ट्रेलिया की ओर से जॉनसन ने चार ओवर में 26 रन देकर पांच विकेट झटके। जॉनसन ने पाकिस्तान के शीर्ष क्रम को झकझोरा जिससे पाकिस्तान की टीम लक्ष्य का पीछा करने में असफल रही। पाकिस्तान के लिए उस्मान खान ने 52 रन और इरफान खान ने नाबाद 37 रन बनाए, लेकिन टीम का कोई अन्य बल्लेबाज प्रभावी योगदान नहीं दे सका। कप्तान मोहम्मद रिजवान (16) दोहरे आंकड़े को पार करने वाले टीम के सिर्फ तीसरे बल्लेबाज रहे। ऑस्ट्रेलिया के लिए जॉनसन के अलावा एडम जांपा ने दो और जेवियर बार्टलेट ने एक विकेट अपने नाम किया। ऑस्ट्रेलिया टीम को घरेलू जमीन पर पाकिस्तान के के फैसले के बाद मैथ्यू शॉर्ट (17 गेंद में 32 रन) और जैक फ्रेजर मैकगर्क (आठ गेंद में 20 रन) ने 20 गेंद में 50 रन की साझेदारी कर ऑस्ट्रेलिया को तेज शुरुआत दिलाई। तेज गेंदबाज हारिस रउफ (22 रन पर चार विकेट) और अब्बास अफरीदी (17 रन पर तीन विकेट) ने इसके बाद शानदार गेंदबाजी से पाकिस्तान की वापसी कराई। शाहीन शाह अफरीदी के पहले ओवर में मैकगर्क ने लगातार गेंदों में तीन चौके और छक्का जड़ा, जबकि मैथ्यू शॉर्ट ने नसीम शाह का स्वागत छक्के और चौके से किया। रउफ ने अपने पहले ओवर में मैकगर्क और इंग्लिश को चलता किया जबकि अब्बास ने शॉर्ट को पवेलियन की राह दिखाई। मार्कस स्टोइनिस (14) दो आसान जीवन दान का फायदा उठाने में विफल रहे और सूफियान मुकीम की गेंद पर अब्बास द्वार लपके गए। ग्लेन मैक्सवेल 20 गेंद में 21 रन बनाकर इस गेंदबाज का दूसरा शिकार बने। रउफ ने इसके बाद टिम डेविड और जेवियर बार्टलेट के विकेट चटकाए, लेकिन आरोन हार्डी ने 23 गेंद में 28 रन की पारी से ऑस्ट्रेलिया को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया।

बंगाल ने 15 साल बाद मध्य प्रदेश को हराया, मोहम्मद शमी वापसी पर चमके, झटके सात विकेट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। शमी की मौजूदगी ने बंगाल का हौसला बढ़ाया जिससे टीम ने 338 रन के लक्ष्य का बचाव करते हुए मध्य प्रदेश की दूसरी पारी को 326 रन पर समेट दिया। शमी ने दूसरी पारी में 24.2 ओवर पर समेट दिया। शमी ने दूसरी पारी में 24.2 ओवर में 102 रन देकर तीन विकेट चटकाए। उन्होंने इस दौरान कुमार कार्तिकेय का विकेट चटकाकर टीम की जीत पक्की की। इस जीत से बंगाल की टीम को छह अंक मिले जिससे टीम कुल टीम प्रबंधन की भी नजर है। भारतीय टीम के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम से जुड़ेंगे। शमी को पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल नहीं

में 102 रन देकर तीन विकेट चटकाए।भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने चोट से वापसी पर 43.2 ओवर की गेंदबाजी में सात विकेट चटकाने के साथ ताबड़तोड़ 36 रन की पारी खेली जिससे बंगाल ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप सी मैच में शनिवार को मध्य प्रदेश पर 11 रन से रोमांचक जीत दर्ज की। बंगाल की टीम की यह मध्य प्रदेश पर पिछले 15 साल में पहली जीत है और इस शानदार प्रदर्शन के बाद शमी का बॉर्डर गावस्कर सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई भारतीय टीम में शामिल होना लगभग तय हो गया है। शमी की मौजूदगी ने बंगाल का हौसला बढ़ाया जिससे टीम ने 338 रन के लक्ष्य का बचाव करते हुए मध्य प्रदेश की दूसरी पारी को 326 रन 14 अंक के साथ तालिका में हरियाणा (20) और केरल (18) के बाद तीसरे स्थान पर पहुंच गई। खराब मौसम के कारण बंगाल को शुरुआती दो घरेलू मैचों में अंक साझा करने पर मजबूर होना पड़ा था। बंगाल की टीम आकाश दीप, मुकेश कुमार और अभिमन्यु ईश्वरन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के बिना खेल रही लेकिन शमी की मौजूदगी से गेंदबाजी को पैनापन मिला। शमी ने पहली पारी में 19 जबकि दूसरी पारी में 24.2 ओवर गेंदबाजी की। शमी की गेंदबाजी ने मैच में बड़ा अंतर पैदा किया। शमी को छह-सात ओवर के स्पैल के दौरान कोई परेशानी नहीं हुई। इस मैच को देखने के लिए राष्ट्रीय चयनकर्ता अजय रात्रा भी मौजूद थे। इस गेंदबाज की फिटनेस पर भारतीय किया गया था, लेकिन न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार, शमी निश्चित की दूसरे टेस्ट से पहले भारतीय टीम से जुड़ जाएंगे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से पर्थ में पहला टेस्ट मैच खेला जाएगा। इसके लिए रोहित शर्मा को छोड़कर टीम के अन्य सभी सदस्य ऑस्ट्रेलिया पहुंच चुके हैं और उन्होंने तैयारियां भी शुरू कर दी है। माना जा रहा था कि शमी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से भारतीय टीम में वापसी करेंगे, लेकिन जब टीम की घोषणा हुई थी तो उनका नाम शामिल नहीं था। हालांकि, शमी ने जिस तरह से मैदान पर वापसी की है, उससे चयनकर्ता प्रभावित हुए हैं। शमी अगर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलते हैं तो यह भारत के लिए राहत की बात होगी।

रवि शास्त्री ने बताया, किस भारतीय खिलाड़ी से डरती से ऑस्ट्रेलियाई टीम, जमकर की सराहना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेली जानी है। दोनों टीमों के बीच पर्थ में पहला टेस्ट होगा। इस महत्वपूर्ण सीरीज के लिए पंत भारतीय टीम में शामिल हैं और ऑस्ट्रेलिया पहुंच चुके हैं। भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि पंत भारतीय टीम के ऐसे खिलाड़ी हैं जिनसे ऑस्ट्रेलियाई टीम डरती है। मालूम हो कि पंत ने 2020-21 में ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर भारत को मिली ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने ब्रिसबेन के गाबा मैदान पर आक्रामक बल्लेबाजी की थी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी

खेली जानी है। दोनों टीमों के बीच पर्थ में पहला टेस्ट होगा। इस महत्वपूर्ण सीरीज के लिए पंत भारतीय टीम में शामिल हैं और ऑस्ट्रेलिया पहुंच चुके हैं। पंत ने पर्थ में अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया और इंट्रा स्क्वाड मैच में भी शामिल हुए।शास्त्री ने कहा, पंत ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर गए हैं और अच्छी फॉर्म में हैं। वह ऐसे खिलाड़ी हैं जिनसे ऑस्ट्रेलिया की टीम डरती है। मैं पिछले कुछ महीनों में उन्हें टेस्ट क्रिकेट में खेलने के लिए कड़ी मेहनत करते देखा है।यदि आपने पंत को कार दुर्घटना के बाद उस समय देखा होता तो आप उम्मीद नहीं कर सकते थे कि वह कभी दोबारा से क्रिकेट खेल पाएंगे। उनकी हालत बहुत खराब थी। चोट लगने के एक महीने बाद मैं उन्हें अस्पताल देखने गया था। वह बुरी तरह से घायल थे और शरीर पर चोट के निशान थे। उनका बड़ा ऑपरेशन हुआ था और जगह-जगह टांके लगे थे।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसन्न रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

ऑस्ट्रेलिया के इस पूर्व कप्तान ने गौतम गंभीर पर साधा निशाना, बोले- उनकी शैली भारतीय टीम के लिए सही नहीं

पेन की यह प्रतिक्रिया गंभीर के हाल में मीडिया से बातचीत के बाद आई है जिसमें गंभीर ने विराट कोहली के खराब फॉर्म पर रिकी पोंटिंग की टिप्पणी पर सवाल उठाते हुए कहा था कि ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज को भारतीय क्रिकेट के बारे में चिंतित होने की जरूरत नहीं है।ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान टिम पेन ने भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर की आलोचना की है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले पेन ने गंभीर की कोचिंग शैली पर सवाल खड़े किए हैं। पेन का कहना है कि शायद गंभीर भारतीय टीम के कोच के लिए फिट नहीं बैठते हैं। उन्होंने रिकी पोंटिंग की विराट कोहली की आलोचना पर गंभीर की तीखी टिप्पणी पर भी निशाना साधा और कहा कि पोंटिंग सिर्फ एक कमेंटेटर के रूप में अपना काम कर रहे थे।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 22 नवंबर से पर्थ में खेला जाएगा। पेन ने कहा, मुझे यह पसंद नहीं आया। यह अच्छा संकेत नहीं है

क्योंकि उन्होंने बस सिर्फ एक सामान्य सवाल पूछा था। मुझे लगता है कि वह शायद अभी भी पोंटिंग को ऐसे व्यक्ति के रूप में देख रहे हैं जिसके खिलाफ वह खेले हैं, लेकिन पोंटिंग अब एक कमेंटेटर हैं, उन्हें राय देने के लिए भुगतान किया जाता है, और उनकी राय बिल्कुल सही थी। पेन की यह प्रतिक्रिया गंभीर के हाल में मीडिया से बातचीत के बाद आई है जिसमें गंभीर ने विराट कोहली के खराब फॉर्म पर रिकी पोंटिंग की टिप्पणी पर सवाल उठाते हुए कहा था कि ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज को भारतीय क्रिकेट के बारे में चिंतित होने की जरूरत नहीं है। हालांकि, पेन को गंभीर का यह रवैया रास नहीं आया। पोंटिंग ने इसके बाद गंभीर को काफी चिड़चिड़े स्वभाव वाला व्यक्ति कहा था पेन ने कहा, अब भारत के पास नया कोच है जो काफी तुनकमिजाज है। वह हालांकि काफी प्रतिस्पर्धी हैं। कहने का मतलब यह नहीं है कि यह अच्छी बात नहीं है और कोचिंग का अच्छा तरीका नहीं है, बल्कि मेरी चिंता यह है कि यह भारतीय क्रिकेट टीम के लिए उपयुक्त नहीं है। अगर आपका कोच एक साधारण सवाल पूछे जाने पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में सबसे पहले भड़क जाता है। अगर पर्थ में भारत की अच्छी शुरिआत नहीं होती है तो गौतम गंभीर के लिए आगे का सफर मुश्किल हो सकता है।

सम्पादकीय

एएमयू पर एक और फैसले की प्रतीक्षा, एससी-एसटी और ओबीसी आरक्षण क्यों नहीं होना चाहिए

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) पर सर्वोच्च न्यायालय के हालिया निर्णय का निहितार्थ क्या है? शीर्ष अदालत की सात सदस्यीय संविधान पीठ ने 1967 के फैसले को 4-3 से पलट दिया, जिसमें कहा गया था कि यह अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान नहीं है। यह स्थापित सत्य है और स्वयं एएमयू की आधिकारिक वेबसाइट में इसका उल्लेख है कि यह विश्वविद्यालय सर सैयद अहमद खान का विचारबीज है। 17 अक्टूबर 1817 को जन्मे सर सैयद अहमद खान 1838 में ईस्ट इंडिया कंपनी से जुड़े और 1857 में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के समय अंग्रेजों की सहायता की। उनका विश्वास जीतकर वह 1867-76 के बीच ब्रितानी अदालत में न्यायाधीश रहे। अप्रैल 1869 में सर सैयद को इंग्लैंड में 'आर्डर आफ द स्टार आफ इंडिया' से नवाजा गया, तो 1887 में लार्ड डफरिन ने उन्हें 'सिविल सेवा आयोग' का सदस्य बना दिया। 'खान बहादुर' नाम से प्रख्यात सर सैयद की वफादारी से प्रमुदित ब्रिटिश हुकूमत ने उन्हें 1898 में 'नाइट' की उपाधि दी। 1885 में जब कांग्रेस की स्थापना के साथ देश में पूर्ण स्वतंत्रता और लोकतंत्रीय व्यवस्था की मांग उठनी शुरू हुई, तब ब्रितानियों के प्रति निष्ठावान सर सैयद ने मुस्लिमों को राष्ट्रीय आंदोलन से दूर करना प्रारंभ कर दिया। उन्होंने 'हिंदू-मुस्लिम', 'हिंदी-उर्दू', 'संस्कृत-फारसी' का मुद्दा उठाकर मुसलमानों की मजहबी भावनाओं के जरिये विचार स्थापित किया कि मुसलमान का कर्तव्य है कि वह अंग्रेजों के निकट और कांग्रेस से दूर रहे। इस अभियान में वह काफी हद तक सफल भी हुए, क्योंकि मुस्लिम समाज का एक बड़ा हिस्सा राष्ट्रीय मुख्यधारा, चेतना से कट चुका था और कालांतर में वह पाकिस्तान के लिए आंदोलित भी हुआ। इस चिंतन का सूत्रपात सर सैयद ने 16 मार्च 1888 को मेरठ में यह भाषण देकर किया, ठसोचिए यदि अंग्रेज भारत में नहीं है, तो कौन शासक होगा? क्या दो राष्ट्र- हिंदू और मुसलमान एक सिंहासन पर बराबर के अधिकार से बैठ सकेंगे? नहीं। आवश्यक है कि उनमें से एक, दूसरे को पराजित करेंष्ठ आखिर सात सौ सालों तक भारत में आपका साम्राज्य रहा है। आप जानते हैं कि शासन करना क्या होता हैष्ठ मुसलमानों का सच्चा मित्र केवल ईसाई ही हो सकता हैष्ठ हमें ऐसी व्यवस्था अपनानी होगी, जिससे अंग्रेज भारत में हमेशा के लिए राज कर सकें और सत्ता कभी भी 'बंगालियों' के हाथों में न जाए। सर सैयद कांग्रेस के नेताओं को अक्सर 'बंगाली' कहकर तिरस्कृत करते थे, क्योंकि तब अधिकांश कांग्रेसी नेतृत्व बंगाल से था। अपनी इसी वैचारिक पृष्ठभूमि में सर सैयद ने 1875-77 के दौरान अलीगढ़ में मदरसातुल उलूम और मुस्लिम-एंग्लो ओरिएंटल कालेज की स्थापना कर चुके थे, जिसे उनके निधन के 22 वर्ष बाद तत्कालीन ब्रितानी सरकार ने 'अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय' का स्वरूप दिया। एएमयू का मूल उद्देश्य क्या था? 1930-33 में पाकिस्तान का खाका खींचने के बाद एएमयू, मु?स्लिम लीग का अनौपचारिक राजनीतिक-वैचारिक प्रतिष्ठान बन गया। एएमयू छात्रसंघ ने कांग्रेस को फासीवादी बताते हुए 1941 में मजहब आधारित विभाजन का प्रस्ताव पारित किया। जिन्ना ने 10 मार्च 1941 को एएमयू को 'पाकिस्तानी आयुधशाला' बताया, तो उसी वर्ष अगस्त में एएमयू छात्रों को संबोधित करते हुए लियाकत अली खान (पाकिस्तान के प्रथम प्रधानमंत्री) ने कहा, हम मुस्लिम राष्ट्र की स्वतंत्रता की लड़ाई जीतने के लिए आपको उपयोगी गोला-बारुद के रुप में देख रहे है।ठ कालांतर में हुए चुनावों में एएमयू छात्रों-शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर मुस्लिम लीग का समर्थन किया। जो मुस्लिम नेता (मौलाना आजाद और प्रो हुमायूं कबीर आदि) तब विभाजन का विरोध कर रहे थे, उन पर एएमयू छात्रों ने मजहब का शत्रु मानते हुए हमला किया। विभाजन और स्वाधीनता पश्चात अपेक्षा थी कि या तो एएमयू बंद होगा या फिर इसके आधारभूत चिंतन में परिवर्तन आएगा, किंतु ऐसा नहीं हुआ। 22 अक्टूबर 1947 को पाकिस्तानी सेना ने कश्मीर पर हमला किया। इसके एक दिन पहले तक एएमयू छात्र पाकिस्तानी सेना में भर्ती हो रहे थे। इसकी भनक लगते ही उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री गोविंद बल्लभ पंत ने गृहमंत्री सरदार पटेल को चिट्ठी लिखी और विश्वविद्यालय में पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों के प्रवेश पर प्रतिबंध लग गया। मई 1953 को विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति जाकिर हुसैन ने नेहरू सरकार को जानकारी दी कि कई पाकिस्तानी एएमयू में दाखिला ले रहे हैं।

जी-20 का मार्गदर्शक बना भारत, आदर्श व्यवहार से दिखाई नई राह

ब्राजील ने इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद जिसकी बनावट 1965 से नहीं बदली है में सुधार के लिए प्रभावी और ठोस कार्रवाई को विषयवस्तु में शामिल किया है। उल्लेखनीय है कि भारत ब्राजील जापान और जर्मनी 'जी-4' के सदस्य हैं जो सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के हकदार हैं। दुख की बात है कि प्रक्रियात्मक और राजनीतिक बाधाओं ने सुरक्षा परिषद सुधारों की राह में अवरोध खड़े कर रखे। 19वें जी-20 शिखर सम्मलेन में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ब्राजील के रियो डी जेनेरो में होंगे। गत वर्ष भारत ने इस अहम अंतरराष्ट्रीय संस्थान की मेजबानी में ऊंचे मानक स्थापित किए और विश्व स्तर पर

अपने नेतृत्व एवं कौशल का परिचय दिया था। हालांकि जी-20 की अध्यक्षता रोटेशन नीति के तहत अभी ब्राजील के पास है जो अगले साल दक्षिण अफ्रीका के पास रहेगी।जहां तक इस संस्था को प्रभावित करने का पहलू है तो भारत ने इसकी प्रकृति और दिशा को आकार देने में सतत प्रतिबद्धता दिखाई है। जी-20 को केवल राष्ट्रीय प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले माध्यम के रूप में देखने के बजाय भारत ने इसे विश्व कल्याण हेतु अपने कर्तव्य के तौर पर देखा है और अध्यक्षता छोड़ने के बाद भी उतनी ही लगन एवं श्रद्धा से इसकी सफलता के लिए योगदान दिया है।इस संदर्भ में प्रधानमंत्री मोदी का यह बयान अतिशयोक्ति नहीं है कि वर्तमान अध्यक्ष ब्राजील ने 'भारत की विरासत को आगे बढ़ाया है।' आज भारत जी-20 की 'तिकड़ी' का सदस्य है, जो संस्था की निरंतरता को सुनिश्चित करती है। इस उत्तरदायित्व को भारत ने निष्ठा से निभाया है और कई मुद्दों पर अमिट छाप छोड़ी है।अपनी अध्यक्षता में ब्राजील की पहली प्राथमिकता भूख और गरीबी के खिलाफ लड़ाई है। इससे संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों पर प्रगति में तेजी लाने के लिए भारत की मेजबानी के दौरान दी गई प्राथमिकता को ही आगे बढ़ाया जा रहा है। विश्व के कम विकसित देशों में ब्राजील ने स्वयं गरीबी और भुखमरी जैसी समस्याओं से निपटने के लिए कई परियोजनाओं और कार्यक्रमों को कार्यान्वित किया है और वह चाहता है कि जी-20 द्वारा ब्राजीलियाई खाके को वैश्विक मान्यता मिले।उल्लेखनीय है कि भारत का भी विकासशील जगत में सहयोग प्रदान करने का बड़ा अनुभव है और जी-20 अध्यक्षता के दौरान भारतीय 'डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे' को मान्यता मिली थी। डिजिटल माध्यमों के जरिये अंतिम कतार में खड़े आम व्यक्ति तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में मोदी युग में भारत ने जो कीर्तिमान बनाए हैं, अब वह जी-20 के सहारे दुनिया के कोने-कोने में अपनाए जा रहे हैं।इसके अलावा भारत ने 'महिला नेतृत्व वाले विकास' की संकल्पना कर उसे अपनी जी-20 अध्यक्षता की आधारशिलाओं में से एक बनाया था। ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका की जी-20 अध्यक्षताओं के अंतर्गत इन दो भारतीय पहलों को आगे ले जाया जा रहा है।मेजबान ब्राजील की दूसरी प्राथमिकता हरित ग्रह बनाने के लिए ऊर्जा परिवर्तन से जुड़े संक्रमण को सक्षम बनाना है। इस ध्येय में भी भारत द्वारा रखी गई नींव की साफ झलक दिखती है। भारत ने 'हरित विकास' और 'जलवायु वित्त' के विचारों को 2023 में जी-20 के एजेंडे में सर्वोपरि रखा और विकसित देशों को वित्तीय सहायता के लिए अधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्यों के लिए सहमत किया।जी-20 के दिल्ली घोषणापत्र में जलवायु संबंधित निवेश और वित्त को बड़े पैमाने पर बढ़ाने की आवश्यकता पर सर्वसम्मति बनी थी और ङ्कवैश्विक स्तर पर सभी स्रोतों से अरबों से खरबों डालर तक का वित्तीय सहयोगङ्ग जुटाने का निर्णय लिया गया था।हालांकि, आज भी जी-20 के विकसित सदस्य विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन से जूझने के लिए बड़े पैमाने पर वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने से कतरा रहे हैं।

प्रदूषण से निपटने का नया हथियार, उत्सर्जन नियंत्रित करने के लिए नया तंत्र विकसित

भारत इस दिशा में कितना गंभीर है इसे हाल के आम बजट से भी समझा जा सकता है जिसमें सरकार ने उद्योगों को ऊर्जा दक्षता लक्ष्यों से उत्सर्जन लक्ष्यों में स्थानांतरित करने की दिशा में कार्य की शुरुआत की है। ऊर्जा

संरक्षण (संशोधन) अधिनियम 2022 के तहत देश में राष्ट्रीय कार्बन बाजार बनाने पर भी काम शुरू कर दिया गया है। अजरबैजान के बाकू शहर में चल रहे वार्षिक जलवायु सम्मेलन काप 29 में वैश्विक कार्बन बाजार की संकल्पना को अंतिम रूप देने के लिए मतदान किया जा चुका है। यद्यपि संयुक्त राष्ट्र निकाय के अंतर्गत यह 2022 से लागू हो गया था, परंतु काप 29 में इस पर पूर्ण रूप से सहमति व्यक्त कर दी गई है। यूएन द्वारा स्वीकृत यह पहला कार्बन क्रेडिट बाजार 2025 से अस्तित्व में आएगा। इसमें विभिन्न देश ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को अधिक प्रभावी ढंग से कम करने के साथ-साथ एक दूसरे के साथ कार्बन क्रेडिट का व्यापार भी करेंगे। कार्बन बाजार नियमों के अनुसार यदि कोई इकाई या देश तय सीमा से कम कार्बन का उत्सर्जन करता है तो उसको कार्बन क्रेडिट दिया जाएगा, जिसे वह किसी दूसरी इकाई या देश को पैसे से बेच भी सकता है। यह समझौता द्विपक्षीय या बहुपक्षीय हो सकता है। इस बाजार को बनाने का उद्देश्य जलवायु क्रियाओं की लागत को कम करके प्रभावी ढंग से लागू करना है। इससे न सिर्फ वैश्विक सामंजस्य स्थापित होगा, बल्कि हम एक हरित स्थायी भविष्य की ओर भी अग्रसर हो सकेंगे। कार्बन बाजार उन देशों और संगठनों के लिए विकास के नए रास्ते खोलेगा, जो उत्सर्जन को कम करने एवं जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए तकनीकी नवाचारों के साथ कार्बन क्रेडिट के विकास और व्यापार को प्रोत्साहन दे रहे हैं। क्रेडिट बाजार में यूनाइटेड नेशंस फ्रेमवर्क कन्वेंशन आन क्लाइमेट चेंज (यूएनएफसीसीसी) एक केंद्रीयकृत संस्था के रूप में कार्य करेगी, जो प्रत्येक देश या उसके विभिन्न क्षेत्रों के लिए कार्बन उत्सर्जन की सीमा का निर्धारण करेगी। यदि किसी देश ने अपनी निर्धारित सीमा का कार्बन उत्सर्जित कर लिया है, फिर भी वह उत्पादन जारी रखना चाहता है, तो वह ऐसे किसी देश से कार्बन खरीद सकता है, जिनका कार्बन उत्सर्जन निर्धारित सीमा से कम रहा हो। कार्बन क्रेडिट को मुद्रा से जोड़ने से न केवल सभी देश कार्बन डाईआक्साइड के उत्सर्जन में कमी को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित होंगे, बल्कि एक ऐसे तंत्र को भी विकसित करने में मदद करेंगे, जिससे गैसों के उत्सर्जन को नियंत्रित किया जा सके। वैश्विक कार्बन बाजार के आपसी व्यापार से देशों में न केवल परस्पर निकटता बढ़ेगी, बल्कि जलवायु परिवर्तन के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को और अधिक मजबूत भी बनाया जा सकेगा। कार्बन बाजार के अस्तित्व में आने के बाद से न केवल जलवायु पविर्तन की दशा एवं दिशा में परिवर्तन आएगा, बल्कि संसाधनों पर नियंत्रण के लिए वैश्विक भू-राजनीति का नया अध्याय भी प्रारंभ होगा, जो भू-राजनीति के लिए गेम चेंजर साबित होगा। विकसित देश विशेषकर यूरोपीय संघ और अमेरिका अब कार्बन केडिट के लिए तैयार हैं। चीन भी अपने उत्सर्जन को नियंत्रित कर पश्चिमी देशों के साथ संबंध मजबूत बनाने के लिए तत्पर है। ऊर्जा प्रधान देश रूस भी इस संतुलन को साधने का प्रयास करेगा। भारत पहले से ही कार्बन उत्सर्जन में कमी को लेकर एवं राष्ट्रीय स्तर पर कार्बन बाजार स्थापित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धताएं व्यक्त करता रहा है। पंचामृत योजना के तहत भारत वर्ष 2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में बढ़ रहा है। भारत ने अपने राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) के हिस्से के रूप में 2005 के स्तर से 2030 तक उत्सर्जन तीव्रता को 45 प्रतिशत तक कम करने और 2030 तक 2.5 से तीन अरब टन अतिरिक्त वन और वृक्ष आवरण का कार्बन सिंक बनाने की प्रतिबद्धता जताई है। भारत इस दिशा में कितना गंभीर है इसे हाल के आम बजट से भी समझा जा सकता है, जिसमें सरकार ने उद्योगों को ऊर्जा दक्षता लक्ष्यों से उत्सर्जन लक्ष्यों में स्थानांतरित करने की दिशा में कार्य की शुरुआत की है। ऊर्जा संरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2022 के तहत देश में राष्ट्रीय कार्बन बाजार बनाने पर भी काम शुरू कर दिया गया है। जुलाई 2023 में ग्रीनहाउस गैसों के बढ़ते उत्सर्जन को कम करने के लिए कार्बन क्रेडिट और ट्रेडिंग योजना (सीसीटीएस) की शुरुआत की जा चुकी है। भारत का स्वैच्छिक कार्बन बाजार 1.2 अरब डालर से अधिक का है। कार्बन क्रेडिट उत्पन्न करने वाली भारत की शीर्ष संस्थाएं उत्सर्जन की भरपाई के लिए उपयोग किए जाने वाले कार्बन क्रेडिट से लगभग 65.2 करोड़ डालर कमा चुकी हैं। अब भारत सरकार को उद्योगों में आधुनिकीकरण, नवीन तकनीकी और नवाचार के प्रयोगों को बढ़ाकर कार्बन क्रेडिट को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। खाली पड़ी लगभग 15 लाख हेक्टेयर भूमि पर पेड़ लगाकर एवं जंगलों का संरक्षण करके भी कार्बन क्रेडिट को बढ़ाने की दिशा में कार्य किया जाना चाहिए। ग्रीन बांड और सतत वित्त की योजनाओं से अधिक लाभ मिलने से ग्रीन निवेश के प्रति आकर्षण को बढ़ाकर अंतरराष्ट्रीय निवेश को भी आकर्षित किया जा सकता है। किसान कार्बन खेती करके अधिक कमाई कर सकते हैं। ऊर्जा से लेकर रियल एस्टेट तक के विभिन्न क्षेत्रों में कार्बन क्रेडिट से संबंधित नए नियम बनाकर ऊर्जा की बचत एवं वनीकरण को प्रोत्साहित किया जा सकता है जिससे न सिर्फ ग्रीनहाउस उत्सर्जन में कटौती होगी, बल्कि कार्बन क्रेडिट भी अर्जित किए जा सकते हैं। शहरों के कचरे से बिजली उत्पादन को बढ़ावा देकर भी कार्बन क्रेडिट बनाए जा सकते हैं। वर्तमान में भारत एक ऐसे महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है, जहां कार्बन बाजार और आर्थिक विकास के साथ अपने जलवायु लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से संतुलित स्थापित करना होगा। इसके लिए कार्बन बाजार को रणनीतिक रूप से डिजाइन करके, मौजूदा योजनाओं को एकीकृत करके और नवाचार को प्रोत्साहित करके भारत खुद को सतत विकास में एक वैश्विक नेता के रूप में स्थापित कर सकता है।

सोने के पालने में आरक्षण की आंच पर जातियों की लड़ाई

मराठा आरक्षण के खिलाफ ओबीसी आरक्षण बचाओ आंदोलन भी जालना जिले में आंतरवाड़ी गांव से महज कुछ किमी दूर वडीगोदरी में शुरू हुआ। नेताओं ने अपने हिसाब से आंदोलनों का साथ दिया

और अब उसी के हिसाब से यहां वोटों का गुणा-गणित लगाया जा रहा है। मराठा आरक्षण की आग महाराष्ट्र के जिले जालना के एक छोटे से गांव आंतरवाड़ी से तेजी से फैली। आरक्षण की लड़ाई का नेतृत्व कर रहे मनोज जरांगे पाटिल ने अब चुनाव में साफ कह दिया है कि जो उनका साथ देगा, हम उसका साथ देंगे। बात सिर्फ मराठा आरक्षण की नहीं है। मराठा आरक्षण के खिलाफ ओबीसी आरक्षण बचाओ आंदोलन भी आंतरवाड़ी गांव से महज कुछ किमी दूर वडीगोदरी में शुरू हुआ। नेताओं ने अपने हिसाब से आंदोलनों का साथ दिया और अब उसी के हिसाब से यहां वोटों का गुणा-गणित लगाया जा रहा है। पिछले चुनाव में यहां की पांच विधानसभा सीटों में भोकरदान, पोरतुल और बोदनापुर में भाजपा जीती थी। जालना से कांग्रेस और घनसांवगी से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को विजय हासिल हुई थी। इस जिले को स्टील की फैक्टरियों की वजह से जालना यानी सोने का पालना भी कहा जाता है। गन्ने की अच्छी खेती होती है और मौसंबी भी यहां के किसान खूब उगाते हैं। यहां की घनसांवगी सीट के गांव आंतरवाली में मराठा आरक्षण की लड़ाई के नेता मनोज जरांगे पाटिल रहते हैं। उनका गांव इस समय राजनीति का बड़ा केंद्र बना हुआ है। जरांगे पाटिल पहले कभी कांग्रेस में हुआ करते थे, लेकिन आरक्षण की लड़ाई के लिए उन्होंने शिवाजी के नाम पर शिवबा नाम का संगठन बनाया। पैदल मार्च से लेकर गोदावरी में कूदकर जान देने की धमकी भी दी। 29 अगस्त, 2023 को मराठा आरक्षण को लेकर फिर से आंदोलन शुरू हुआ। सप्ताह भर में आंदोलन ने काफी बड़ा रूप ले लिया और इसी बीच पुलिस ने एक दिन लाठीचार्ज कर दिया। इसके बाद आंदोलन की आग तेजी से फैली और आंतरवाली गांव में शरद पवार, उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे जैसे नेता पहुंचे। जरांगे ने घोषणा कर दी कि अब मराठा आरक्षण से कम कुछ मंजूर नहीं होगा। इसके बाद इसी जिले से एक दूसरा मोर्चा खुला। पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य लक्ष्मण हाके ने इस्तीफा देकर वडीगोदरी गांव से ओबीसी आरक्षण बचाओ के नाम से आंदोलन शुरू कर दिया। आंदोलन बढ़ा और इसको समर्थन देने के लिए भाजपा से पंकजा मुंडे और धनंजय मुंडे भी पहुंचे। इस बार की सियासी लड़ाई इसी तरह से दो खेमों में बंटती नजर आ रही है। मराठा वर्ग के मुकाबले ओबीसी भी एक अलग खेमे में नजर आ रहा है। माना जाता है कि लोकसभा चुनाव में भाजपा के वरिष्ठ नेता राव साहब दानवे की हार की एक बड़ी वजह मराठा आरक्षण आंदोलन की नाराजगी थी। ऐसे में इस चुनाव में भी जरांगे फैक्टर अहम साबित होगा।जरांगे फैक्टर का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उनसे मिलने रोजाना काफी संख्या में स्थानीय लोग और कार्यकर्ता उनके गांव आंतरवाली पहुंचते हैं। आसपास के गांव में भी सरपंच का नाम पूछो, तो रास्ता आंतरवाली की ओर ही बता दिया जाता है।यहां इंतजार कर रहे आशीष का कहना है कि वह जरांगे के हिसाब से ही चलेंगे। जब पूछा गया कि जरांगे तो साफ नहीं बोल रहे हैं, तो उन्होंने कहा कि समर्थक इशारों से ही अंदाजा लगा लेते हैं। कैक्टस की खेती के बीच बने घर में चौपाल लगाकर बैठे लोगों ने मराठी में जवाब दिया कि यहां पर जरांगे समर्थकों की संख्या अच्छी है। पूरे राज्य में जरांगे फैक्टर काम करेगा। हालांकि वडीगोदरी गांव के चौराहे पर चाय पी रहे पवन कहते हैं ओबीसी एकजुट हो जाएं, तो क्या नहीं हो सकता।जालना में सबसे हॉट सीट भी घनसांवगी ही बनी हुई है। यहां पर मराठों की संख्या अच्छी खासी है। एनसीपी-शरद गुट से लगातार तीन बार के विधायक और पूर्व मंत्री राजेश टोपे मैदान में हैं। कोरोना काल में उनके कामों की लोग तारीफ करते हैं, पर यह भी कहा जा रहा है कि इस बार उनको ओबीसी वोट मिलने पर संशय है। उनके सामने तीन बार हार चुके हिकमत उधान शिवसेना शिंदे गुट से हैं। भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन महायुति को उम्मीद है कि ओबीसी वोट उसकी ओर से आने से सीट के समीकरण बदल सकते हैं। इस लड़ाई के बीच नया पेच ओबीसी आंदोलन के नेता रहे बलिराम खटके की पत्नी कावेरी ताई ने फंसा दिया है। कावेरी प्रकाश आंबेडकर के वंचित बहुजन आघाड़ी से लड़ रही हैं। ऐसे में महायुति खेमे को ओबीसी वोट बंटने का भी डर है। भाजपा में रहे सतीश घाटगे निर्दलीय लड़ रहे हैं। जिले की भोकरदान सीट से भाजपा के पूर्व सांसद राव साहब दानवे के बेटे संतोष राव दानवे मैदान में हैं। 38 साल के संतोष पिछली विधानसभा में युवा विधायकों में से एक रहे हैं। उनके सामने एनसीपी-शरद के चंद्रकात दानवे हैं। राव साहब दानवे की बेटी भी औरंगाबाद जिले से चुनाव लड़ रही हैं। दानवे समर्थक लोकसभा सीट की गलती न दोहराने की अपील कर रहे हैं। जालना सीट पर कांग्रेस के मौजूदा विधायक कैलाश गोरंटेल के सामने छात्र राजनीति से आए अर्जुन खोतकर शिवसेना शिंदे से हैं। जालना में मुस्लिम मतदाता लगभग 20 फीसदी हैं, जो अहम साबित होते रहे हैं। शिक्षक वारिस का मानना है कि यहां भी उनका वोट एक ओर ही जाएगा, हालांकि किसी ओर के नाम पर वह मुस्कुरा कर चल देते हैं।

समस्या पर शोर मचे तो समाधान भी हो, बांग्लादेश से होने वाली घुसपैठ कब लगेगी रोक

कहना कठिन है कि देश में कितने बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठिए हैं लेकिन यह पक्का है कि वे ठीक-ठाक संख्या में हैं। प्रश्न यह है कि उनकी घुसपैठ थम क्यों नहीं रही

और उन्हें बाहर निकालने में सफलता क्यों नहीं मिल रही है? केवल इतना ही पर्याप्त नहीं कि बांग्लादेशी घुसपैठियों को चुनावी मुद्दा बनाया जाए। इस मुद्दे का समाधान भी होना चाहिए और वह भी प्राथमिकता के आधार पर। त्रिपुरा, असम और बंगाल में जब भी चुनाव होते हैं, तब अन्य अनेक मुद्दों के साथ बांग्लादेशी घुसपैठियों का मुद्दा अवश्य उठता है। इस बार ऐसा झारखंड में भी हो रहा है। बांग्लादेश से होने वाली घुसपैठ विधानसभा चुनावों में बड़ा मुद्दा बन गई है। जहां भाजपा इस पर जोर देने में लगी हुई है कि बांग्लादेश से बंगाल के रास्ते आने वाले बांग्लादेशी न केवल झारखंड की जनसांख्यिकी (डेमोग्राफी) बदल रहे हैं, बल्कि आदिवासी लड़कियों से शादी कर रहे हैं और उनकी जमीन भी हड़प रहे हैं, वहीं सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा की मानें तो भाजपा जो कुछ कह रही है, वह सही नहीं। झामुमो नेताओं का कहना है कि यदि बांग्लादेश से घुसपैठ हो रही है तो फिर जवाबदेह केंद्र सरकार है, क्योंकि सीमा सुरक्षा उसके ही कंधों पर है। पता नहीं चुनाव में झारखंड की जनता किसकी बातों को महत्व देगी, मगर इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि बांग्लादेशी घुसपैठियों का मसला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है। दो वर्ष पहले झारखंड हाई कोर्ट में जमशेदपुर के सैयद दानियाल दानिश की ओर से दायर जनहित याचिका में कहा गया था कि साहिबगंज, पाकुड़, गोड्डा, दुमका, जामताड़ा आदि जिलों में आदिवासी आबादी घट रही है, क्योंकि बांग्लादेशी घुसपैठियों को आदिवासियों की जमीन पर बसाया जा रहा है। वास्तव में भाजपा बांग्लादेशी घुसपैठियों को लेकर जो कुछ कह रही है, वह मोटे तौर वही है, जिसका उल्लेख दानिश की याचिका में किया गया है। इस याचिका पर सुनवाई करते हुए सितंबर में झारखंड हाई कोर्ट ने आदेश दिया कि बांग्लादेशी घुसपैठियों का पता लगाने के लिए केंद्र और राज्य के अधिकारियों की एक तथ्य खोजी यानी फैक्ट फाइंडिंग कमेटी बनाई जाए। झारखंड सरकार पहले तो इसके लिए तैयार हो गई, लेकिन फिर पीछे हट गई और हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई।

ADHUNIK TUTORIALS

" FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT "

FOR CLASSES 1st 5th

(ADMISSION OPEN)

FACILITIES

- Air Conditioned & Well Furnished Classroom
- Water Cooler Available
- Hygienic Washrooms
- CCTV for Safety Purposes
- In Campus Parking

Dr. (Er)PuneetArora (HON. DIRECTOR)
(B.Tech, M. Tech, MBA , Ph.D)
Awarded with " Young Scientist & Best Teachers, Author of Many Books Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks

Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)

- Ex. Student of Bethany Convent School, Bishop Johnson School & College, Girl's High School & College
- Pursuing B.Tech
- Awarded by TCS
- Certification in the Field of Web Development and Machine Learning .

Ms. Riya Arora (Counsellor)

- Ex. Student of Delhi Public School.
- Subject Topper of Delhi Public School
- Pursuing LLB from University of Allahabad .

Address: B-Block, ADA Colony, Mtek Campus, Naini, Prayagraj .

Contact :- Call and Whatsapp: 8542919234

सतत गतिशीलता का भविष्य: ईवी इंडिया एक्सपो 2024 ग्रेटर नोएडा में आ रहा है

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। यह अगले स्तर की प्रौद्योगिकी और प्रदर्शन के साथ इलेक्ट्रिक ड्राइविंग में क्रांति लाने का समय है। भारत में इलेक्ट्रिक वाहन, बढ़ते प्रदूषण और तेल निर्भरता को कम करने जैसे बड़े मुद्दों को हल करने के लिए हैं। चूंकि इलेक्ट्रिक वाहनों के संचालन की लागत कम है, इसलिए भारत एक बहुत ही अनूठा बाजार है क्योंकि बड़े ऑपरेटरों, सार्वजनिक परिवहन और साझा गतिशीलता को आकर्षित करना आसान है। टिकाऊ ऑटोमोटिव इनोवेशन में अग्रणी, ईवी इंडिया एक्सपो 2024 इस साल अपने चौथे संस्करण के लॉन्च की घोषणा करते हुए रोमांचित है। यह अभूतपूर्व ईवी प्रदर्शनी परिवहन के एक नए युग का प्रतिनिधित्व करेगी, जिसमें बेहतर प्रदर्शन, अत्याधुनिक तकनीक और पर्यावरणीय स्थिरता के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता शामिल होगी। ईवी इंडिया एक्सपो 2024 19 नवंबर 2024 से 21 नवंबर 2024 तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा, यूपी में शुरू हो रहा है। यह लोगों और उद्योग के लिए संसाधनों को साझा करने, उत्पाद और ब्रांड प्रदर्शन के लिए सबसे अच्छा सार्वजनिक इंटरैक्टिव मंच है। इस वर्ष 140 से अधिक प्रदर्शक प्रदर्शनी में भाग ले रहे हैं।प्रदर्शनी में अपने उत्पादों और सेवाओं को उजागर करने वाले कुछ प्रमुख शीर्ष ब्रांड हैं, सर्वोटेक पावर सिस्टम्स लिमिटेड, डीओएल

मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड, बीवाईडी, इंडो इलेक्ट्रिकल्स, मुफिन ग्रीन इंफ्रा लिमिटेड, एलपीएस बोसार्ड प्राइवेट। लिमिटेड, एमजी इलेक्ट्रिका, लॉर्ड्स ऑटोमेटिव प्राइवेट लिमिटेड, सेमको इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड, डीएनए टेक्नोलॉजीज, ऊर्जा ग्लोबल लिमिटेड, ग्रेको इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, सुपरमेक्स एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड, डेरोज मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड, टीवीएस सीरियस कंट्रोल्स प्राइवेट लिमिटेड, महालक्ष्मी ई व्हीकल्स, इस्कूट मोटर्स इंडिया एलएलपी, इंडीग्रीन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड। लिमिटेड, चिलवी ग्रुप कंपनी लिमिटेड, ग्लोबटेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड।प्रदर्शक की प्रोफ़ाइल में इलेक्ट्रिक गोल्फ कार्ट, कार्गो लोडर इलेक्ट्रिक वाहन, उपकरण और समाधान, इलेक्ट्रिक ट्रक, बैटरी स्टोरेज प्रबंधन, आईओटी डिवाइस, ई-बोट, प्रयोगशाला और परीक्षण उपकरण, ईएसएस तकनीक आदि से कई कंपनियां और ब्रांड भी शामिल हैं।भारतीय प्रदर्शनी सेवाओं के निदेशक श्री स्वदेश कुमार जी के अनुसार, ठइस वर्ष की इलेक्ट्रिक वाहन प्रदर्शनी एक स्थायी भविष्य की यात्रा में एक नए अध्याय को चिह्नित करेगी। यहां, गतिशीलता को फिर से परिभाषित करने के लिए नवाचार, सहयोग और अत्याधुनिक तकनीक एक साथ आएगी। आइए हरित और स्मार्ट कल की ओर बदलाव को बढ़ावा दें।उन्होंने आगे कहा, ड्ढहम अत्याधुनिक समाधान तलाशने के लिए दूरदर्शी, इंजीनियरों और उत्साही लोगों को एक साथ लाते हैं जो एक हरित कल के लिए मार्ग प्रशस्त करते हुए आज की चुनौतियों का समाधान करते हैं। अत्याधुनिक ईवी डिज़ाइन से लेकर चार्जिंग बुनियादी ढांचे और नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण में प्रगति तक, यह प्रदर्शनी उस प्रगति का जश्न मनाती है जो हमें शून्य-उत्सर्जन भविष्य के करीब ले जाती है।

जनता दल यूनाइटेड द्वारा मुख्यमंत्री जी का भव्य स्वागत, संजीव शर्मा जी को समर्थन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा गाजियाबाद के लाइन पार क्षेत्र में आज जनता दल यूनाइटेड के महानगर अध्यक्ष संजय बिंदल जी के नेतृत्व में सैकड़ों जदयू कार्यकर्ताओं ने माननीय मुख्यमंत्री जी के आगमन पर उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री जी के विजन और विकासशील नीतियों की सराहना करते हुए अपने पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के दौरान जदयू ने संजय बिंदल जी के नेतृत्व में संजीव शर्मा जी को भी अपना समर्थन देने की घोषणा की। इस अवसर पर कई वरिष्ठ कार्यकर्ता और प्रमुख व्यक्ति उपस्थित रहे, जिनमें ब्रह्मा गर्ग, अमित गुप्ता, नवनीत गुप्ता, सुनील सहगल, विनोद पंजाबी, नीरज बंसल, अनिल पाल, आशु गोयल, मुकेश गोयल, सूरज सन्यासी, सत्य वचन, सोम शर्मा आदि शामिल थे। कार्यक्रम में सभी कार्यकर्ताओं ने एकजुटता का परिचय दिया और आने वाले समय में संगठन को और मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की।

मोबाइल टावर हटाने हेतु सपा ने किया विरोध प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा सेक्टर 82 पाकेट 12 सोसायटी के भीतर ग्रीन वेल्ट में लग रहे इन्डस मोबाइल टावर का विरोध समाज वादी पार्टी के नोएडा महानगर अध्यक्ष डा आश्रय प्रदर्शन किया गया। और चेतावनी भरे लहजे में कहा कि यहां टावर लगने से सोसायटी वालों को कयी प्रकार की बीमारियों का खतरा बना हुआ है इसलिए यह टावर यहां से और दूर सिफ्ट कर दिया जाए नहीं

गुप्ता के नेतृत्व में किया गया। आपको बता दें कि सेक्टर 82 पाकेट 12 की सोसायटी में मोबाइल टावर को हटाने को लेकर यहां के निवासियों ने कयी बार विरोध प्रदर्शन कर चुके और इस बावत क्षेत्रीय सांसद डॉ महेश शर्मा एवं क्षेत्रीय विधायक पंकज सिंह को लिखित रूप में सूचना दी गई लेकिन सिर्फ आश्वासन ही हाथ लगा। इसी कड़ी में आज समाज वादी पार्टी के नोएडा महानगर अध्यक्ष डा आश्रय गुप्ता के नेतृत्व में सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ताओं एवं सोसायटी निवासियों को लेकर जोरदार विरोध तो हम लोग धरना प्रदर्शन करने के लिए मजबूर हो जाएंगे जिसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। इस मौके पर सपा नोएडा महानगर अध्यक्ष डा आश्रय गुप्ता,विधानसभा अध्यक्ष बबलू चौहान,महासचिव विकाश यादव,दिव्यांशु यादव,रामवीर यादव,राजेश अवाना ,सतवीर यादव,रिंकू यादव,मोहित कुमार,चिंकू गौतम,राजीव श्रीवास्तव,प्रमोद यादव, खेमचंद,राजेश महाले,बरकत अली, उम्मेद सिंह आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बॉलीवुड/टेली मसाला

अनंत महादेवन को पसंद नहीं आई 'स्त्री 2', बोले- क्या सोचकर ये फिल्म लिखी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अनंत महादेवन अपने बयानों की वजह से अक्सर सुर्खियों में आ जाते हैं। हाल ही में एक

बातचीत में उन्होंने स्त्री 2 को लेकर बहुत सी बातें कही थी। अब सोशल मीडिया पर इस साक्षात्कार का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। स्त्री 2 इस साल की अगस्त के महीने में रिलीज हुई थी। बॉक्स ऑफिस पर रिलीज के बाद फिल्म ने कमाई के सारे रिकॉर्ड तोड़ डाले थे। हिंदी भाषा में यह अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है। शाहरुख खान की जवान को पीछे छोड़कर इस फिल्म ने यह मुकाम हासिल किया है। स्त्री 2 को दर्शकों के साथ समीक्षकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। फिल्म में लोगों को हॉरर के साथ कॉमेडी का तड़का काफी पसंद आया था। यही वजह है कि दो महीने से ज्यादा समय तक यह फिल्म सिनेमाघरों में टिकी रही। हालांकि, बॉलीवुड के एक निर्देशक ऐसे भी हैं, जिन्हें यह फिल्म बिल्कुल भी पसंद नहीं आई। अभिनेता से निर्देशक बने अनंत महादेव ने हाल ही में एक बातचीत में स्त्री 2 की जमकर आलोचना की। इस बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर अब जाकर सुर्खियां बटोर रहा है। स्त्री 2 के बारे में पूछे जाने पर अनंत महादेवन ने कहा, ठमेरा सवाल है, क्यों? क्या सोचकर आपने ये फिल्म लिखी। बनाना तो दूसरी बात है। उन्होंने आगे कहा कि इस मामले में अभिनेताओं को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। अनंत ने कहा, ठइस फिल्म में आज के समय के सबसे बेहतरीन अभिनेताओं में से एक राजकुमार राव हैं। मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं। फिल्म में श्रद्धा ठीक थीं। उन्होंने ग्लैमर कंटेंट दिया। उनके बारे में रहस्य था और यह ठीक था। आप फिल्म के लिए अभिनेताओं को दोष नहीं दे सकते।ठ इस बातचीत में उन्होंने राजकुमार राव के साथ एक फिल्म में काम करने की भी इच्छा जाहिर की।

दूसरे दिन 'द साबरमती रिपोर्ट' में बढ़ी लोगों की रुचि, जानें कितना किया कलेक्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। विक्रांत मैसी की फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' की बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन शुरुआत धीमी रही। वहीं, दूसरे दिन फिल्म की कमाई में थोड़ा सुधार आया है।

आइए जानते हैं इसने दूसरे दिन कितना कलेक्शन किया है।गोधरा कांड की दर्दनाक घटना पर बनी फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन कुछ खास कमाल नहीं कर पाई। हालांकि, इसके दूसरे दिन की कमाई में मामूली सुधार देखने को मिला। विक्रांत मैसी रिद्धि डोगरा और राशि खन्ना की मुख्य भूमिका वाली इस फिल्म का लोगों को काफी इंतजार था, लेकिन सिनेमाघरों में यह दर्शकों को खींच पाने में असमर्थ दिखाई दी। आइए जानते हैं फिल्म ने पहले और दूसरे दिन कुल कितने रुपये बॉक्स ऑफिस से जोड़े। अच्छी रेटिंग पाने के बावजूद भी फिल्म को दर्शकों का प्यार उस हिसाब से नहीं मिल सका। सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक 'द साबरमती रिपोर्ट' ने पहले दिन 1.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। यह फिल्म की काफी धीमी शुरुआत मानी जा रही है। वहीं, इसके दूसरे दिन के कलेक्शन पर नजर डाले तो दर्शकों ने थोड़ी अधिक रूचि इस दिन फिल्म को लेकर दिखाई। दूसरे दिन फिल्म की कमाई में मामूली सुधार देखने को मिला। सैकनिल्क के ताजा आंकड़ों के अनुसार दूसरे दिन इसने एक करोड़ 78 लाख का कारोबार किया है। हालांकि, इस आंकड़े में अभी फेरबदल हो सकता है। फिल्म के बजट की बात की जाए तो कहा जा रहा है कि यह फिल्म करीब 50 करोड़ के आस-पास के लागत में बनी है। इसके हिसाब से फिल्म की यह खराब शुरुआत मानी जाएगी।फिल्म की कहानी की बात की जाए तो यह फिल्म 22 साल पहले फरवरी 2002 को गुजरात के गोधरा में साबरमती एक्सप्रेस की दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर आधारित है। इस फिल्म में विक्रांत मैसी, रिद्धि डोगरा और राशि खन्ना ने पत्रकार की भूमिका अदा की है। फिल्म की कहानी पहले अविनाश और अर्जुन ने लिखी थी और तब फिल्म का निर्देशन राजन चंदेल कर रहे थे। राजन ने जो फिल्म तैयार की, उसे फिल्म की निर्माता एकता कपूर के कहने पर बदला गया जिससे क्षुब्ध होकर राजन ने ये फिल्म छोड़ दी। फिल्म में अब निर्देशक के तौर पर धीरज सरना का नाम दिया गया है।

'कंगुवा 2' की ट्रोलिंग पर सतर्क 'पुष्पा 2', फिल्म के साउंड डिजाइनर रेसुल पुकुट्टी ने उठाया बड़ा कदम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। 'पुष्पा 2' का दमदार ट्रेलर रिलीज हो गया है तो रेसुल ने एक बार फिर अपने सोशल मीडिया हैंडल पर जाकर सिनेमाघरों से अनुरोध

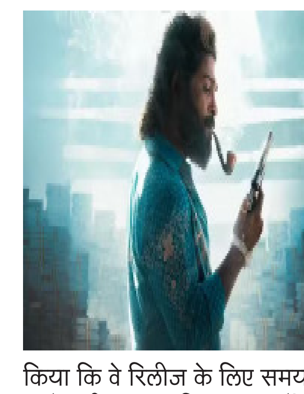

किया कि वे रिलीज के लिए समय रहते स्पीकर व्यवस्थित कर लें। साउथ सुपरस्टार सूर्या की फिल्म 'कंगुवा' को इसके तेज बैकग्राउंड म्यूजिक के कारण आलोचनाओं का सामना करना पड़ा, जिसका असर इसके बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर भी पड़ा। अब इस फिल्म की गलियों से 'पुष्पा 2: द रूल' के निर्माताओं ने बड़ी सीख ली है और अब वे अपनी फिल्म के म्यूजिक को लेकर बड़ा कदम उठा रहे हैं। दरअसल, ऑस्कर विजेता साउंड डिजाइनर रेसुल पुकुट्टी ने हाल ही में 'कंगुवा' की आलोचना पर प्रतिक्रिया व्यक्त की, जिसका सामना इसके लाउड बैकग्राउंड स्कोर के कारण हुआ।अब, जब 'पुष्पा 2' का दमदार ट्रेलर रिलीज हो गया है तो रेसुल ने एक बार फिर अपने सोशल मीडिया हैंडल पर जाकर सिनेमाघरों से अनुरोध किया कि वे रिलीज के लिए समय रहते स्पीकर व्यवस्थित कर लें। पुष्पा 2 के निर्माताओं ने आखिरकार 17 नवंबर को पटना में एक भव्य लॉन्च इवेंट में ट्रेलर का अनावरण किया और ट्रेलर के रिलीज होते ही इसे दर्शकों की दमदार प्रतिक्रिया मिली। 'पुष्पा 2' के लिए साउंड डिजाइनर के रूप में काम करने वाले रेसुल ने अपने एक्स हैंडल पर एक नोट लिखा है, जिसमें थिएटरों से अनुरोध किया गया है कि वे ट्यून एम्प्स और स्पीकर्स को व्यवस्थित करें, ताकि पुष्पा 2 का हश्र 'कंगुवा' जैसा न हो। उन्होंने ट्वीट किया, 'आज पुष्पा 2 का ट्रेलर रिलीज होने के साथ ही कई स्तरों पर यह काफी व्यस्त रहा है। मैं सभी फिल्म प्रेमियों और प्रशंसकों से कहना चाहता हूं कि पुष्पा 2 को मानक डॉल्बी लेवल 7 पर मिक्स किया जाएगा।

तीसरे दिन भी 'मटका' को नहीं मिले दर्शक, दम तोड़ती दिख रही है फिल्म

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। वरुण तेज की फिल्म 'मटका' को लगातार दर्शकों की

नकारा जा रहा है। फिल्म ने ओपनिंग डे पर महज 71 लाख रुपये कमाए थे। अब तीसरे दिन का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन भी आ चुका है और फिल्म की कुल कमाई भी 2 करोड़ से नीचे है। जानिए, तीसरे दिन फिल्म का क्या हाल रहा। साउथ अभिनेता वरुण तेज की पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म 'मटका' को रिलीज हुए अब तीन दिन बीत चुके हैं। फिल्म बीते गुरुवार यानी 14 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। ओपनिंग डे पर ही फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर घुटने टेक दिए थे। फिल्म ने पहले दिन महज 71 लाख का कारोबार किया था। उम्मीद जताई जा रही थी कि फिल्म के प्रदर्शन में सुधार आ सकता है, लेकिन इसकी हालत लगातार और पतली होती जा रही है। अब फिल्म के तीसरे दिन का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन भी सामने आ चुका है। करुणा कुमार के निर्देशन में बनी यह फिल्म 1950 के दशक के अंत के विशाखापत्तनम शहर की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें वरुण तेज ने मशहूर मटका किंग रतन खत्री का किरदार निभाया है। इसकी कहानी साल 1958 से 1982 के बीच के समय में स्थित है। फिल्म में वरुण तेज मटका वासु के रूप में, मीनाक्षी चौधरी ने सुजाता के रूप में, नोरा फतेही ने सोफिया के रूप में, सलोनी असवानी ने पद्मा के रूप में, पी. रविशंकर ने नारायण मूर्ति के रूप में, किशोर ने नानी बाबू के रूप में, नवीन चंद्र ने साहू के रूप में, और अजय घोष ने अप्पाला रेड्डी के रूप में नजर आए हैं। करुणा कुमार ने फिल्म का लेखन और निर्देशन किया है। वहीं, फिल्म का निर्माण विजेंद्र रेड्डी तेगला और रजनी तल्लूरी द्वारा व्यारा एंटरटेनमेंट और एसआरटी एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया गया है। 'मटका' दर्शकों के सामने एक रोमांचक कहानी के वादे के साथ रिलीज हुई थी, जो कुख्यात 'मटका' जुआ साम्राज्य की पृष्ठभूमि पर आधारित है। 1970 के दशक के अंत और 1980 के दशक की शुरुआत में इस सम्राज्य ने भारत की सामाजिक-अर्थव्यवस्था को हिलाकर रख दिया था। बता दें कि इस फिल्म से बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही ने साउथ डेब्यू किया है। बात करें फिल्म के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन की, तो पहले दिन फिल्म का प्रदर्शन काफी खराब था। इसने पहले दिन 0.71 करोड़ रुपये की कमाई की है, जो कि औसत से भी कम है। 35 करोड़ के बजट में बनी फिल्म के लिए ये किसी भी तरह से आदर्श ओपनिंग नहीं कही जा सकती थी। पहले दिन फिल्म ने एक करोड़ का भी आंकड़ा नहीं छुआ था और महज 71 लाख पर आकर सिमट गई थी। फिल्म ने दूसरे दिन भी 66 लाख रुपये का कारोबार किया था, जिससे इसकी दो दिन की कुल कमाई 1 करोड़ 14 लाख पहुंच गई थी। फिल्म शुरुआती दो दिनों में डेढ करोड़ का मामूली आंकड़ा भी नहीं पार कर पाई थी। अब इस फिल्म के तीसरे दिन का भी रिपोर्ट सामने आ चुका है। फिल्म का हाल तीसरे दिन भी खराब ही रहा है। फिल्म ने पहले शनिवार को महज 46 लाख का कारोबार किया है। इससे फिल्म की कुल कमाई 1 करोड़ 83 लाख हो गई है। रिलीज के तीन दिन बाद भी ये फिल्म अब तक दो करोड़ का आंकड़ा भी पार नहीं कर सकी है। इस फिल्म के लिए आगे का रास्ता काफी कठिन होने वाला है, क्योंकि फिल्म का बजट 35 करोड़ है और रिलीज को जितने दिन होते जाएंगे, इसकी कमाई उतनी ही कम होती चली जाएगी।

दिशा के रोल पर कंगुवा के निर्माता की पत्नी ने दिया बयान, महिला किरदारों को लेकर खड़ा हुआ सवाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सूर्या की तमिल फिल्म 'कंगुवा' कुछ दिन पहले ही रिलीज हुई है। इस फिल्म को अब तक मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। हाल ही में इस फिल्म की निर्माता

की पत्नी ने फिल्म की हीरोइन दिशा पटानी के रोल पर कुछ ऐसा कहा कि बहस खड़ी हो गई। फिल्म 'कंगुवा' जब रिलीज होने वाली थी तो इसे लेकर बहुत चर्चा हुई। फिल्म में दक्षिण भारतीय अभिनेता सूर्या और बॉलीवुड अभिनेता बॉबी देओल मुख्य भूमिका में रहे। यह फिल्म 14 नवंबर को रिलीज हो चुकी है। फिल्म ठीक-ठाक ही बिजनेस कर रही है। जबकि फिल्म के निर्माता को उम्मीद थी कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सारे रिकॉर्ड तोड़ देगी। हाल ही में इसी फिल्म से एक विवाद भी जुड़ गया है। असल में फिल्म के निर्माता ज्ञानवेल राजा की पत्नी नेहा ज्ञानवेल ने ऐसा बयान दिशा के रोल के बारे में दिया है कि एक बहस सोशल मीडिया पर खड़ी हो गई। ऐसा क्या कहा नेहा ने विस्तार से जानिए। यह पूरा किस्सा कुछ यूं शुरू होता है। फिल्म 'कंगुवा' रिलीज हुई तो दर्शकों को इसमें दिशा पटानी का रोल बहुत छोटा लगा। दर्शक उन्हें फिल्म में ज्यादा समय तक देखना चाहते थे। इस बारे में दिशा के कई फैंस ने सोशल मीडिया पर शिकायत भी की। ऐसे में निर्माता ज्ञानवेल राजा की पत्नी नेहा ज्ञानवेल ने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर एक पोस्ट की। इसमें वह लिखती हैं- 'फिल्म 'कंगुवा' एंजेला (दिशा का रोल) के किरदार पर फोकस नहीं करती है। यह किरदार 2.5 घंटे की फिल्म पर हावी नहीं हो सकता है। यह किरदार बस फिल्म में सुंदर दिखने के लिए रखा गया।' जैसे ही नेहा की यह पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हुई, तो कई फैंस ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि क्या महिला किरदार सिर्फ फिल्मों में सुंदर दिखने के लिए रखे जाते हैं। नेहा का यह बयान महिला किरदारों को कमतर आंकता है। माना फिल्म में दिशा का रोल छोटा रहा और नेहा ने उनके रोल पर अजीब सा बयान दिया लेकिन यह भी सच है कि फिल्म 'कंगुवा' के लिए दिशा पाटनी को अच्छी खासी फीस दी गई है। कुछ मीडिया रिपोर्ट की माने तो दिशा को लगभग पांच करोड़ रोल फिल्म 'कंगुवा' में काम करने के लिए दिए गए हैं। ऐसा भी माना जा रहा है कि अब तक दिशा को इतनी फीस किसी भी फिल्म के लिए नहीं मिली है। दिशा का रोल फिल्म में इसलिए भी छोटा रहा क्योंकि 'कंगुवा' एक पुरुष प्रधान फिल्म है। इसमें सूर्या और बॉबी देओल के किरदार इतने दमदार रहे कि पूरी फिल्म में यही किरदार हावी नजर आए। ऐसे में दिशा के लिए अभिनय करने की गुंजाइश वैसे भी खत्म हो गई। ऐसे में उनके हिस्से फिल्म में कुछ सींस और गाने ही आए। दिशा पटानी ने बॉलीवुड में अब तक जो फिल्में की हैं, उनमें उनके रोल ज्यादातर ग्लैमरस ही रहे। अपनी पिछली रिलीज हिंदी फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में भी वह ग्लैमरस रोल में ही दिखीं। इन दिनों वह 'कंगुवा' में दिख रही हैं। वहीं अगले साल दिशा पटानी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में नजर आएंगी।

महाभारत से पांच हजार साल पहले की कहानी, जादू टोना करने वालियों ने फेंका मजबूत जाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। शुरुआत एक सलाह से करते हैं, और वो ये कि अगर आपने 'ड्यून' फ्रेंचाइजी की दोनों फिल्में नही देखी हैं तो पहले वे दोनों फिल्में देख लीजिए और फिर इस वेब सीरीज का पहला एपिसोड देखिए। यकीन मानिए, ये आपका इस साल अपने मोबाइल, लैपटॉप या टीवी स्क्रीन पर मनोरंजक कहानियां देखने का सर्वोत्तम अनुभव हो सकता है। देखने में ये फ्रेंचाइजी पहली नजर में भले बहुत आकर्षक न दिखती हो लेकिन यहां इसे बनाने वाले चाहते ही नहीं कि आप इनके दृश्यजाल या संगीतजाल पर मोहित हों। यहां सब कुछ कहानी है। एक ठोस धरातल पर लिखी गई ऐसी खलबली मचाने वाली कहानी, जिसे देखकर आपको 'गेम ऑफ थ्रोन्स' जैसी सीरीज लिखे जाने का असली नजरिया भी समझ आ सकता है। वेब सीरीज 'ड्यून प्रोफेसी' 10 हजार साल पहले की कहानी है। यानी भारतीय दृष्टिकोण से देखें तो महाभारत काल से भी पहले की। सीरीज बताती है कि इंसानियत एआई से लड़कर बची है। जी हां, चौंकिए मत। इस सीरीज की कहानी वहीं से शुरू हो रही है, जहां इंसानों और अक्लमंद मशीनों की जंग खत्म होकर बस रुकी भर है। 'ड्यून' सीरीज की फिल्मों में दिखती रहीं सिस्टर्स का गंगोत्री इस सीरीज में खुलती है। ये कौन हैं, कहां से आई हैं, क्यों आई हैं, सबका जवाब ये सीरीज देती है। सीरीज ये भी बताती है कि सत्ता के लिए राजा, महाराजा तो छल प्रपंच कर ही सकते हैं, गुरुकुल

जैसे स्थानों पर रहने वाली ये योगबालाएं भी कम नहीं हैं।आवाज से दूसरों पर काबू पाने की पहली झलक भी सीरीज में आती है, जब मदर सुपीरियर बनने से पहले वाल्या किलर सुपीरियर बनती दिखती है। उसके सीने में आग है। इरादों में जिद है और वह अपने परिवार का रुतबा फिर से बनाना चाहती है। उसकी बहन सिस्टर तुला भी है। परंपरा यही रहीं है कि ये योगबालाएं धरती के सर्वोत्तम शुक्राणु और अंडाणु तलाशकर भावी राजाओं की पहचान करती हैं। और इसके लिए भले ही एक वयस्क हो चुकी राजकुमारी का विवाह एक छुटकू राजकुमार से ही क्यों न करना पड़े? चौंकिए मत, क्योंकि ऐसे चौंकाने वाले मसले वेब सीरीज 'ड्यून प्रोफेसी' के पहले एपिसोड में दर्जन भर है। 'ड्यून वन' और 'ड्यून 2' के पहले की कहानियां गढ़ती इस सीरीज का आधार उपन्यास 'ग्रेट स्कूल्स ऑफ ड्यून' को बनाया गया है जिसे फ्रैंक हरबर्ट के बेटे ब्रायन ने लिखा है। 'गेम ऑफ थ्रोन्स' सरीखे मकड़जाल में दर्शकों को उलझाती चलती ये कहानी बहुत खतरनाक है। ये दर्शकों को पहले एपिसोड के उत्तरार्ध में आकर मालूम होता है। योगबालाओं के बीच रहकर प्रशिक्षण पा रही राजकन्या जब रात के उजालों में दिल के अंधेरों पर काबू नहीं पा पाती है और अपने अस्त्र प्रशिक्षक के दैहिक सम्मोहन में बह जाती है, तो कहानी आगे चंद्रकांता सी बलखाने का इशारा करके ठिठक जाती है।वेब सीरीज 'ड्यून प्रोफेसी' का पहला एपिसोड एमिली वाटसन और ओलिविया विलियम्स के हवाले है। दोनों ने शानदार काम किया है। दोनों के किरदार एक ऐसी षडयंत्रकारी सत्ता के संचालन का संकेत देते रहते हैं जिन्हें देखना और महसूस करना एक अलग अनुभव देता है। जिन लोगों ने 'ड्यून' सीरीज की दोनों फिल्में देखने के बाद इस सीरीज को देखना शुरू किया है, उनके लिए ये सीरीज काफी मनोरंजनक होगी।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।